महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

माँ दुर्गा का पंचम ईश्वरीय स्वरुप

माँ स्कंदमाता

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 126 | उज्जैन, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

असलम बैंड हटाओ, हिंदू कलाकारों को लाओ; गुजरात में नवरात्र कार्यक्रम में बवाल, पुलिस ने संभाला मोर्चा

भावनगर/ जीएनएस। देश भर में गुजरात अपने नवरात्र के कार्यक्रम के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर लोग देश के कोने-कोने से आते हैं और गरबा का आनंद लेते हैं। मंगलवार को भावनगर के एक रिजॉर्ट पर उस वक्त नवरात्र के कार्यक्रम में रुकावट आ गई जब वहां पर हिंदू समूह के कुछ लोगों ने असलम एंड असलम बैंड को हटाने की मांग की। लोगों ने वहां पर विरोध जताने के लिए प्रदर्शन भी किया। इस दौरान कुछ देर के लिए वहां पर अफरा-तफरी मच गई। यह घटना गुजरात के भावनगर के वरतेज स्थित रंगोली रिजॉर्ट की है। लोगों से मिली जानकारी के अनुसार ये बैंड कई सालों से यहां पर नवरात्र में अपनी प्रस्तुति देता आया है, लेकिन इस बार उनका विरोध हो रहा है। हिंदू युवा संगठन से जुड़े लोगों ने कार्यक्रम से पहले स्थानीय पुलिस स्टेशन और डीएम को याचिका सौंप कर कलाकारों को बदलने की मांग की थी। हालांकि अधिकारियों ने निजी जगह पर हो रहे कार्यक्रम में किसी भी तरह की दखलअंदाजी से मना कर दिया। कार्रवाई नहीं होने की बात पर हिंदू युवा संगठन के अध्यक्ष की अगुवाई में कुछ सदस्य मौके पर पहुंच कर हंगामा करने लगे। इससे वहां पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी जैसे हालात बन गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हंगामा कर रहे लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों में से अंजनी संतोष की पहचान की है। इधर, संगठन के लोगों ने आयोजकों को चेतावनी दी है कि वो मांगें पूरी नहीं होने पर दुबारा भीड़ जुटा कर कार्यक्रम बंद करवा देंगे। भावनगर के पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने बताया कि पुलिस आज से नवरात्र से जुड़े कार्यक्रमों को सुरक्षा मुहैया कराएगी। उन्होंने समाचार बेवसाइट एनडीटीवी को बताया कि बीती रात वरतेज के रंगोली रिजॉर्ट में कार्यक्रम को लेकर विवाद हो गया था। संगठन के कार्यकर्ता असलम एंड असलम बैंड को हटा कर हिंदू कलाकारों या बैंड को शामिल करने की मांग कर रहे थे।

सिक्किम के नए गवर्नर दुष्यंत गौतम की नियुक्ति का विरोध क्यों कर रही कांग्रेस? भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष दुष्यंत गौतम को सिक्किम का गवर्नर नियुक्त किया गया है। कांग्रेस ने इस नियुक्ति का विरोध किया है। पार्टी का आरोप है कि उत्तराखंड में रिसॉर्ट रिशेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की कथित हत्या के मामले में दुष्यंत गौतम का नाम सामने आया था। अंकिता का शव सितंबर 2022 में एक नहर से मिला था। इसके जवाब में उत्तराखंड बीजेपी के राज्य मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस सांसद ए. बिमोल अकोइजम पर जेएनयू की छात्राओं द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। जिन्हें 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों के पबाद क्क्स॥ फ्रेमवर्क के तहत जांच के बाद बर्खास्त कर दिया गया। मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि राज्य के कांग्रेस नेताओं को राजनीतिक फायदे के लिए धरने और उपवास का सहारा लेने के बजाय शर्म महसूस करनी चाहिए। उन्हें दिग्विदय सिंह और अजय राय जैसे कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बोलना चाहिए जो अपनी पार्टी की महिला नेताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। उधर, उत्तराखंड कांग्रेस प्रमुख गणेश गोदियाल ने मंगलवार को देहरादून में दुष्यंत गौतम की गवर्नर के तौर पर नियुक्ति के विरोध में एक घंटे के मौन उपवास की घोषणा की। गोदियाल ने आरोप लगाया कि यह नियुक्ति गौतम को बचाने की सीधी कोशिश है, क्योंकि गवर्नर के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जा सकता।

राज्य सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से जनकल्याण के सभी वादे कर रही पूरे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवरात्रि के पावन पर्व पर दी बहनों को सौगात

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार को प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की सौगात मिली है। राज्य सरकार बहनों के बैंक खातों में हर माह 1500 रुपए की राशि ट्रांसफर कर रही है। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 65 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। हमारी सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से प्रदेश की जनता से किए गए जनकल्याण के सभी वादे पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश की आधी आबादी के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के एक चौथाई जिलों में हमारी बहनें कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उमरिया जिले के बांधवगढ़ को प्रभु श्रीराम, माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण का विशेष आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद लेना सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाड़ली बहना योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को 1834 करोड़ रुपये से अधिक राशि अंतरित की। उन्होंने इसके साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना और लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर रीफिल के लिए 115 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना सम्मेलन में 144 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया।

महिला कल्याण के लिए राज्य सरकार ने किया 47 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रावधान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य दलों की सरकारों के दौर में प्रदेश के महिला बाल विकास विभाग का बजट केवल 350 करोड़ रुपए हुआ करता था, लेकिन अब राज्य सरकार ने 47 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान महिला कल्याण के लिए किया है। आज बहनों को लाड़ली बहना योजना के 1500 रुपए प्रतिमाह मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना के एलपीजी उपभोक्ताओं को गैस रिफिलिंग अनुदान राशि दी गई है। इसके लिए प्रदेश की 23 लाख से अधिक बहनों को 115 करोड़ रुपए से अधिक राशि अंतरित की गई है। राज्य सरकार गैस रिफिल अनुदान के 3 साल में 1600 करोड़ की सहायता बहनों को दे चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने माताओं-बहनों की सुविधा के लिए पक्के मकान और शौचालय बनवाएं। राज्य सरकार ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 50 लाख से अधिक संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का संकल्प लिया है। पटवारियों को जो भ्रांतियां थी, वह दूर कर दी गई हैं।

ATC को दिखा कोड 7500, पायलटों ने कहा सब ठीक... एअर इंडिया की फ्रैंकफर्ट-दिल्ली फ्लाइट में हाईजैक के डर के पीछे का रहस्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। एअर इंडिया की फ्रैंकफर्ट-दिल्ली फ्लाइट को बुधवार को जयपुर की ओर मोड़ना पड़ा क्योंकि हाईजैक का गलत डर पैदा हो गया था। अब एविएशन और सिक्योरिटी एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं।

बोइंग 787-9, जिसमें लगभग 300 लोग सवार थे, भारतीय एयरस्पेस में उस लंबे रास्ते से दाखिल हुआ था जो आजकल पाकिस्तान के आसमान के भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद होने की वजह से इस्तेमाल किया जा रहा है। तभी मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को इस विमान से ट्रंसपोर्टर कोड 7500 मिला, जो हाईजैकिंग या गैर-कानूनी दखल के लिए एविएशन कोड है।

पायलटों ने कोड भेजने से किया इनकार- एक्सपर्ट लोगों का कहना है कि पायलटों ने कोड भेजने से इनकार किया और ञ्जष्ट को बताया कि सब कुछ ठीक है। लेकिन तय प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान को जयपुर की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसे एक दूर के बे पर खड़ा किया गया।

विमान में सवार सभी लोगों, सामान की अच्छी तरह जांच की गई। सब कुछ ठीक पाया गया और विमान को उसी क्रू के साथ दिल्ली के लिए उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई, जो इस लंबी यात्रा के इस हिस्से को ऑपरेट कर रहा था।

जानकार लोगों ने कगा कि जब मुंबई एटीसी को विमान से कोड 7500 मिला, तो उन्होंने पायलटों से बात की, जिन्होंने बताया कि फ्लाइट के सभी ऑपरेशन सामान्य थे। लेकिन ऐसी परिस्थिति में प्रोटोकॉल का पालन करना होता है, जो किया गया। अब यह देखा जा रहा है कि यह कैसे और क्यों हुआ? क्या एटीसी की तरफ से कोई सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी थी?

अनजाने में कोड 7500 सेट होने की संभावना बहुत कम- सीनियर क्778 पायटलों का कहना है कि विमान में अनजाने में या किसी गलती की वजह से कोड 7500 सेट होने की संभावना खरबों में एक है। क्योंकि हर अंक को हाथ से डालना पड़ता है। ऐसा कोई बटन नहीं है जिसे अनजाने में दबाया जा सके। इसलिए पायलट या विमान की तरफ से ऐसी कोई गलती होने की संभावना बहुत कम है।

वहीं, सीनियर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स का कहना है कि मुंबई ञ्जष्ट के पास एक नया सिस्टम है और यह सॉफ्टवेयर की गलती का मामला होने की संभावना बहुत कम है।

रविवार को दिल्ली मेट्रो का बदल जाएगा समय, 4 लाइनों पर सुबह 3.30 बजे से शुरू होंगी सेवाएं

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को आयोजित होने वाली हाफ मैराथन में अगर आप जाने वाले हैं तो आपके लिए यह खबर काम की है। उस दिन आप दिल्ली मेट्रो से भी जेएलएन स्टेडियम तक पहुंच सके इसका पूरा इंतजाम डीएमआरसी ने कर दिया है।

रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली हाफ मैराथन के प्रतिभागियों की सुविधा के लिए रेड लाइन (रिठाला से शहीद स्थल न्यू बस अड्डा तक), यलो लाइन (समयपुर बादली से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम तक), ब्लू लाइन (द्वारका सेक्टर-21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी/वैशाली तक) और वायलेट लाइन (कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह तक तड़के साढ़े तीन बजे मेट्रो चलेंगी। इन लाइनों पर सुबह 03~30 से सुबह 04~15 बजे तक 15 मिनट के अंतराल पर, सुबह 04~15 से सुबह 06~00 बजे तक 20 मिनट के अंतराल पर और सुबह 06~00 बजे से नियमित रविवार की समय-सारणी के अनुसार चलेंगी। अन्य सभी लाइनों पर मेट्रो सेवाएं केवल उनकी नियमित रविवार की समय-सारणी के अनुसार शुरू होंगी।

CJP 16 अक्टूबर को CP के सेंट्रल पार्क से निकालेगी तिरंगा यात्रा, अभिजीत दिपके बोले- हो जाओ तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को तिरंगा यात्रा निकालने का एलान किया है। अभिजीत दिपके ने दिल्ली में ष्ठक्कके सेंट्रल पार्क से तिरंगा यात्रा निकालने की बात कही है।

अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए ये भी अपील की कि जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते, वे अपने शहरों में तिरंगा यात्रा निकालें।

अभिजीत दिपके का एलान- लहरा दो तिरंगा- अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया यूजर्स को संबोधित करते हुए कहा, जैसा कि आप लोगों को पता है कि सौरव दास ओर आशुतोष रांका को सिर्फ तिरंगा लहराने के लिए जेल में डाला गया है। अभिजीत दिपके ने आगे कहा, तो मैं सभी देशभक्तों से, जो तिरंगे से प्यार करते हैं, उनसे रिक्वेस्ट करता हूं 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे आप सभी सेंट्रल पार्क कनॉट प्लेस में तिरंगे के साथ आइए। ष्ठक्क पर हम तिरंगा लहराएंगे और यह बताएंगे कि तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है।

दिपके ने आगे कहा, जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते वो अपने-अपने शहरों में शाम को तिरंगा मार्च निकालिए और बता दीजिए इन तानाशाह लोगों को कि हमारा तिरंगा हमारा गर्व है और उसे लहराना कोई क्राइम नहीं है।

CJP फाउंडर ने आगे कहा, हो सकता है इसके बाद मुझे भी जेल में डाल दिया जाएगा, लेकिन मुझे इस बात की परवाह नहीं है, क्योंकि तिरंगा मेरा गर्व है और उसे मैं लहराकर ही रहूंगा।

जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने गए तो सीधा पहुंचेंगे जेल

नई दिल्ली/ जीएनएस। जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने गए तो सीधा पहुंचेंगे जेल, कितना लगेगा जुर्माना?

देश की राजधानी दिल्ली में अब विरोध प्रदर्शन की जगह बदल गई है। सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने पर रोक लगा दी है। लेकिन इस बीच ये सवाल खड़ा होता है कि अगर इस स्थल पर विरोध प्रदर्शन के लिए लोग इकट्ठा होते हैं, तो क्या होगा?

जंतर-मंतर पर अगर अब कोई दल या समूह प्रदर्शन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है। यहां तक कि लोगों को गिरफ्तार भी किया जा सकता है, जिसके बाद उन्हें बेल मिलना भी मुश्किल हो जाएगा।

जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए प्रतिबंधित किए जाने के बाद भी मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के सौरव दास ओर आशुतोष रांका इस स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने गेट फांदकर अंदर घुसने की कोशिश की थी।जंतर-मंतर पर बिना अनुमति के प्रवेश करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। सौरव दास ओर आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस घटना के बाद से ये सवाल है कि जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने पर कानून के तहत अब क्या प्रविधान है। जंतर-मंतर पहले भी प्रदर्शन करने की अनुमति के लिए नई दिल्ली जिले के डिप्टी पुलिस कमिश्नर से एडवांस में लिखित एनओसी लेनी होती थी, लेकिन अब यहां प्रोटेस्ट करने पर बैन लग गया है।

जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट करने पर बैन लगने के बाद अब यहां कोई धरना प्रदर्शन नहीं हो सकता। अगर अब यहां किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, तो पुरानी ष्टह्रक्क की धारा 144 और अब क्चहृस्स् की धारा 163 के उल्लंघन पर कार्रवाई होगी।

आस्था और भाईचारे का अनूठा संगमः बिहार के दुर्गा मंदिर में 25 साल से मोहम्मद तजमूल करवा रहे पूजा

पूर्णिया/ जीएनएस। मवेशी हाट दुर्गा मंदिर अति पौराणिक है। आमजन की आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है। उक्त मंदिर का निर्माण एवं यहां दुर्गा पूजा के अवसर पर मूर्ति पूजा करने की परंपरा पूर्णिया के पूर्व जमींदार बाबू वीर नारायण चंद द्वारा वर्ष 1965 में प्रारंभ की गई थी। आज भी इस मंदिर में माता दुर्गा की भव्य प्रतिमा बनाकर पूजा अर्चना की जाती है। पूजा के दौरान बाबू वीर नारायण चंद के पौत्र संदीप कुमार चंद उर्फ गुंजन बाबू यजमान की भूमिका में रहते हैं, लेकिन पूजा की सारी व्यवस्था एवं देखरेख मो तजमूल करते हैं जो मवेशी हाट के प्रबंधक भी हैं। प्रशासनिक स्तर से पूजा का लाइसेंस भी मो तजमूल के ही नाम से निर्गत होता है। पूजा के दौरान दस दिनों तक तजमूल पूरे विधि-विधान से मां भगवती की पूजा अर्चना में लीन रहा करते हैं।

पिता द्वारा विरासत में मिली परंपरा का कर रहे निर्वाह- पिता मरहूम मो इस्माइल द्वारा पूर्व में इस मंदिर के पूजा व्यवस्था की देखरेख की जाती थी। उनके इन्तकाल के पश्चात लगभग 25 वर्षों से उनके पुत्र मो तजमूल द्वारा अपने पिता द्वारा विरासत में मिले मंदिर व पूजा व्यवस्था की परंपरा का निर्वाह बखूबी किया जा रहा है।

सुबह से ही स्थान ध्यान के पश्चात पूजा व्यवस्था में अपने आपको समर्पित रखना लंबे समय से आम जन के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व जमीन्दार बाबू वीर नारायण चंद द्वारा वर्ष 1965 में निर्मित इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी चंद परिवार द्वारा ही किया गया है। बाबू वीर नारायण चंद के पौत्र ऋषि चंद ने अपने परिवार की धरोहर को बचाने के लिए मंदिर का जीर्णोद्धार कराया है तथा इस कार्य में उन्होंने लाखों रुपए खर्च किए हैं।

मेरठ ब्लू ड्रम हत्याकांड में बड़ा फैसलाः मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा, सौरभ की हत्या में दोनों दोषी

मेरठ/ जीएनएस। चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में जिला जज अरविंद कुमार मिश्र की अदालत ने बुधवार को दोषी साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी को मृत्युदंड की सजा सुनाई। दोनों को 30 सितंबर को हत्या के मामले में दोषी करार दिया गया था।

बुधवार को जिला कारागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये दोनों की पेशी हुई। अदालत ने सजा सुनाने से पहले दोनों के स्वास्थ्य और जेल की दिनचर्या के बारे में जानकारी ली। इसके बाद सजा पर सुनवाई करते हुए दोनों को फांसी की सजा सुनाई। सौरभ की मां रेणू और भाई बबलू ने अदालत से दोनों दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की थी। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) केके चौबे ने भी पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर दोनों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। परिवार ने कहा था कि यदि उनकी मांग के अनुरूप फैसला नहीं आया तो वे हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

ब्रह्मपुरी के इंद्रानगर निवासी सौरभ राजपूत ने वर्ष 2016 में गौरीपुरा निवासी मुस्कान रस्तोगी से प्रेम विवाह किया था। वर्ष 2019 में पारिवारिक विवाद के बाद दोनों अलग हो गए थे। उसी साल मुस्कान ने बेटी पीहू को जन्म दिया, जो वर्तमान में अपने नाना-नानी के पास रहती है। इसी बीच मुस्कान की मुलाकात अपने स्कूल के सहपाठी और इंद्रानगर निवासी साहिल शुक्ला से हुई। सौरभ के विदेश जाने के बाद दोनों करीब आ गए।

सौरभ के लौटने के बाद 24 फरवरी 2025 को उसकी हत्या की साजिश रची गई। तीन मार्च की रात सौरभ की हत्या कर शव के टुकड़े कर दिए गए और उन्हें सीमेंट से भरे नीले ड्रम में छिपा दिया गया। इसके बाद साहिल और मुस्कान हिमाचल घूमने चले गए। 17 मार्च को लौटने के बाद 18 मार्च को हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने 19 मार्च को दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उनकी निशानदेही पर ड्रम से सौरभ का शव बरामद किया गया।

30 सितंबर को कोर्ट ने मुस्कान और सौरभ को ठहराया था दोषी- पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे के ट्रायल के बाद 30 सितंबर को जिला जज अरविंद कुमार मिश्र की अदालत ने साहिल और मुस्कान को हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। बुधवार को अदालत ने दोनों की सजा पर फैसला सुनाते हुए मृत्युदंड से दंडित किया।

इंदौर- दाहोद रेल परियोजना के स्टेशनों पर दिखेगी स्थानीय कला और संस्कृति की झलक, दीवारों पर उकेरी जा रही विरासत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर- दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों को आकर्षक स्वरूप देने के साथ स्थानीय कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को बढ़ावा देने की पहल की जा रही है। टीही से धार के बीच स्थित पीथमपुर, सागोर, गुनावद और धार रेलवे स्टेशनों की दीवारों पर क्षेत्र की ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक विशेषताओं को दर्शाने वाली आकर्षक पेंटिंग बनाई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य स्टेशन परिसर को सुंदर बनाने के साथ यात्रियों को क्षेत्र की समृद्ध विरासत से परिचित कराना है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग के मुख्य इंजीनियर श्री धीरज कुमार के मार्गदर्शन में स्टेशनों पर स्थानीय कला आधारित चित्रकारी कराने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य की जिम्मेदारी स्थानीय कलाकारों को सौंपी गई है, जिससे उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, रेलवे स्टेशनों के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है।

टीही से धार के बीच रेल लाइन निर्माण के साथ विद्युतीकरण, सिग्नलिंग प्रणाली, रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज के निर्माण कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं। इसी के साथ स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और उनके सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीथमपुर, सागोर, गुनावद और धार स्टेशनों की बाहरी दीवारों, प्रतीक्षालयों और प्लेटफॉर्म की दीवारों पर स्थानीय कला एवं संस्कृति से जुड़े चित्र बनाए जा रहे हैं।

इन पेंटिंग के माध्यम से धार और आसपास के क्षेत्रों की ऐतिहासिक पहचान, धार्मिक परंपराओं, लोकजीवन, आदिवासी कला और औद्योगिक विकास को चित्रों के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा। विशेष रूप से पीथमपुर की औद्योगिक पहचान और धार जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को इन चित्रों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही क्षेत्र की विशेषताओं और परंपराओं को जानने का अवसर मिलेगा।

धार जिला अपने ऐतिहासिक महत्व, धार्मिक स्थलों, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। वहीं, पीथमपुर देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर तैयार की जा रही चित्रकारी क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के बीच एक सुंदर समन्वय प्रस्तुत करेगी। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले यात्रियों को इन चित्रों के माध्यम से स्थानीय जीवनशैली, कला और संस्कृति की जानकारी मिल सकेगी।

नवरात्रि पर अपनी दुकान के मालिक बनने का सुनहरा अवसर, प्रधानमंत्री आवास योजना के परिसरों में खरीद सकेंगे दुकान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के अवसर पर अपने व्यवसाय और स्वरोजगार के सपनों को साकार करने के इच्छुक नागरिकों के लिए इंदौर नगर निगम द्वारा सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित विभिन्न आवासीय परिसरों में दुकान खरीदकर नागरिक अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं और स्वामित्व के अधिकार के साथ अपनी दुकान के मालिक बन सकते हैं। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार यह पहल की जा रही है। इसका उद्देश्य नागरिकों को व्यवसाय शुरू करने का अवसर उपलब्ध कराने के साथ स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना है। अपनी दुकान होने से इच्छुक नागरिक अपने कारोबार को नई पहचान दे सकेंगे और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गुलमर्ग, सतपुड़ा, शिवालिक, अमलतास, नर्मदा, पलाश, नीलगिरि एवं ताप्ती परिसर में दुकान खरीदने का अवसर उपलब्ध है। इन परिसरों में दुकान प्राप्त कर नागरिक अपनी व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर सकते हैं।

नगर निगम ने इच्छुक नागरिकों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय-सीमा में आवेदन करने की अपील की है। दुकान के लिए आवेदन एमपी ऑनलाइन के आधिकारिक पोर्टल https://pmay-imc.mponline.gov.in/ पर जाकर किया जा सकता है।

आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 होने के कारण इच्छुक आवेदकों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया गया है। नगर निगम की इस पहल से नागरिकों को अपनी दुकान का मालिक बनने और स्वरोजगार के माध्यम से अपने सपनों को नई उड़ान देने का अवसर मिल रहा है।

इंदौर में जलसंकट की आहट ने बढ़ाई चिंता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अल्पवर्षा ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रीष्मकाल अभी दूर है, लेकिन जलसंकट की आहट सुनाई देने लगी है। चिंता इस बात की है कि शहर के लगभग सभी तालाब सूखने की कगार पर हैं। जिनमें पानी है, वह ग्रीष्मकाल तक चलेगा इसकी उम्मीद कम ही है।

यशवंत तालाब को छोड़कर शेष तालाब शहर की जल-वितरण व्यवस्था में भले ही कोई भूमिका नहीं निभाते हैं, लेकिन इनके वर्षाकाल में लबालब होने का फायदा पूरे साल आसपास की सैंकडों कॉलोनियों को मिलता है। इन कालोनियों के हजारों बोरिंग पूरे साल इन तालाबों के पानी की वजह से रिचार्ज रहते हैं, पूरे साल पानी की आवश्यकता को पूरा करते हैं, जिसके चलते जलसंकट टल जाता है।

अतिरिक्त 200 एमएलडी पानी कहां से आएगा- इस साल जब ये तालाब अक्टूबर में ही सूखने लगे हैं, आसपास की कॉलोनियों के हजारों बोरिंगों के दम तोड़ने की स्थिति बन गई है। सैकडों बोरिंग तो सूख भी चुके हैं। बोरिंगों की वजह से शहर को रोजाना करीब 200 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। चिंता की बात तो यह है कि जिस दिन ये बोरिंग पूरी तरह से सूख गए उस दिन क्या होगा। अतिरिक्त 200 एमएलडी पानी कहां से आएगा।

इंदौर में लगभग एक लाख 30 हजार बोरिंग हैं- इंदौर में लगभग एक लाख 30 हजार बोरिंग हैं। शहर का 30 प्रतिशत हिस्सा आज भी ऐसा है जहां नर्मदा लाइन है ही नहीं। इस हिस्से की सैंकडों कालोनियां पूरी तरह से बोरिंग के पानी पर आश्रित हैं। बोरिंगों के दम तोड़ते ही इन क्षेत्रों के रहवासियों की दिनचर्या पटरी से उतर जाती है। वर्तमान में शहर को नर्मदा से लगभग 430 एमएलडी पानी रोजाना सप्लाइ होता है। इसके अलावा 30 एमएलडी पानी यशवंत सागर से मिलता है। इस 460 एमएलडी पानी को 107 टंकियों के माध्यम से शहर के 70 प्रतिशत हिस्से में पहुंचाया जाता है।

नवरात्रि में शक्ति मोबाइल की तत्परताः 20 मिनट में बिछड़े मासूम को माता-पिता से मिलाया, नशे में वाहन चलाने वाले पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के दौरान महिलाओं की सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इंदौर पुलिस की शक्ति मोबाइल टीमें लगातार सक्रिय हैं। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 15 शक्ति मोबाइल टीमें प्रमुख मंदिरों, गरबा पंडालों, धार्मिक स्थलों और मेलों के आसपास लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल की टीमों ने मुस्तैदी और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए नशे में वाहन चलाने वाले चालक पर कार्रवाई की, मेले में बिछड़े मासूम को उसके माता-पिता से मिलाया और परेशानी में घिरी युवती की तत्काल सहायता की।

देवास नाका से तलावली की ओर भ्रमण कर रही पीसीआर-6 शक्ति मोबाइल टीम को वॉक्सवैगन शोरूम के पास एक बाइक चालक ने सूचना दी कि सफेद रंग की कार के चालक ने कथित तौर पर नशे की हालत में वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मारी और अन्य लोगों को भी टक्कर मारने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने संबंधित चेकिंग पॉइंट को सतर्क किया। तलावली चेकिंग पॉइंट पर कार क्रमांक स्क्क 09 छत 7994 को रोककर चालक की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत ड्रिंक एंड ड्राइव का चालान बनाकर वैधानिक कार्रवाई की।

वहीं, कनकेश्वरी मेले में भीड़ के दौरान अपने माता-पिता से बिछड़े एक मासूम बालक को शक्ति मोबाइल की टीम ने महज 20 मिनट में उसके परिवार से मिला दिया। मेले में एक आइसक्रीम विक्रेता बच्चे को पुलिस के पास लेकर पहुंचा था। इसके बाद एसीपी हीरा नगर और शक्ति मोबाइल की टीम ने बच्चे को अपनी अभिरक्षा में लेकर उसे शांत कराया और उसके माता-पिता की तलाश शुरू की। पुलिस के प्रयासों से कुछ ही देर में बालक अपने परिवार से मिल गया, जिससे परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई।

इसी तरह पीसीआर-1 महिला शक्ति मोबाइल टीम ने गश्त के दौरान एक युवती को परेशान देखा, जिसका लहंगा बाइक के टायर में फंस गया था। इससे दुर्घटना होने की आशंका थी। टीम ने तत्काल सहायता करते हुए लहंगे को सुरक्षित तरीके से टायर से निकलवाने में मदद की और युवती को राहत पहुंचाई।

नवरात्रि के दौरान शक्ति मोबाइल टीमें भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के साथ संदिग्ध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर भी नजर रख रही हैं। पुलिस द्वारा महिलाओं और आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन, महिला अपराधों से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में शक्ति मोबाइल, डायल-112 और पुलिस हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इंदौर पुलिस का उद्देश्य पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के साथ नागरिकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

इंदौर में 28 अक्टूबर को आयोजित होगा राज्य स्तरीय अर्बन कॉन्क्लेव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में समृद्ध एवं आधुनिक नगरीय अधोसंरचना के सर्वांगीण विकास, निवेश प्रोत्साहन तथा प्रदेश के शहरों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के ध्येय से आगामी 28 अक्टूबर, 2026 को इंदौर स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय अर्बन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख नगरीय विकास परियोजनाओं की भौतिक प्रगति, सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से जुड़े दूरगामी रणनीतिक पहलुओं पर गहन विचार-मंथन किया जाएगा। यह कॉन्क्लेव प्रदेश के शहरी परिदृश्य को नई ऊँचाइयों पर ले जाने तथा नगरीय विकास की भावी दिशा तय करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। अर्बन कॉन्क्लेव में 'अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के लिए वित्तीय संस्थानों एवं बैंकों के साथ अनुबंध किये जाएँगे तथा संबंधित एजेंसियों को लेटर ऑफ अवार्ड प्रदान किए जाएँगे ।

अर्बन चैलेंज फंड के तहत प्रदेश के विभिन्न नगरों में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की कुल स्वीकृत लागत 2,753.10 करोड़ रूपये है। इस वित्तीय नियोजन के माध्यम से इंदौर, उज्जैन और रीवा की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को गति दी जा रही है। इसके अंतर्गत इंदौर शहर की जलप्रदाय व्यवस्था के वितरण तंत्र के सुदृढ़ीकरण तथा सीवरेज नेटवर्क एवं उपचार संयंत्रों के व्यापक उन्नयन कार्य शामिल हैं। इसी श्रृंखला में धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में एकीकृत मंदिर क्षेत्र विकास की महत्वाकांक्षी परियोजना तथा रीवा नगर की सर्वसमावेशी जलप्रदाय योजना के कार्यों को धरातल पर उतारा जा रहा है।

इंदौर पुलिस का 'हेलमेट पहनें सुरक्षित रहें' अभियान जारी, 37वें कार्यक्रम में बांटे हेलमेट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का 'हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें' जनजागरूकता अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में पलासिया चौराहे पर 37वां हेलमेट जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अब तक इस अभियान के तहत जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को 4,660 से अधिक हेलमेट वितरित किए जा चुके हैं।

कार्यक्रम में बीट किलर डांस स्टूडियो के बच्चों ने रोड सेफ्टी सॉन्ग पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर लोगों को सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, रेड लाइट का पालन करने, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने जैसे महत्वपूर्ण नियमों के प्रति आमजन को जागरूक किया। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें और डांस ट्रेनर को पुरस्कृत किया।

अभियान के तहत ऐसे युवा, बुजुर्ग एवं जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए, जिनके पास वाहन के आवश्यक दस्तावेज, पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध थे। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई भी की गई। इसके साथ ही उन्हें हेलमेट पहनने की अनिवार्यता और सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करने वाले जिम्मेदार वाहन चालकों की सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप उपहार देकर सम्मानित किया गया। पुलिस ने इस पहल के माध्यम से संदेश दिया कि हेलमेट केवल यातायात नियमों का पालन करने का माध्यम नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय सतर्क रहें और अपने जीवन के साथ दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित रखें।

भाषण प्रतियोगिता में सरकारी योजनाओं और विकसित भारत 2047 पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में 'जनकल्याणकारी योजनाएं एवं विकसित भारत 2047' विषय पर अंतर्महाविद्यालयीन जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में इंदौर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर सरकारी योजनाओं, जनकल्याण और विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चन्द्रशेखर ने की। निर्णायक मंडल में डॉ. निर्मल चक्रधर, सहायक प्राध्यापक, माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, डॉ. किरण सिटोले, सहायक प्राध्यापक, शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय और डॉ. हरीश मिमरोट, प्राध्यापक, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय शामिल रहे। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एस.एस. ठाकुर एवं डॉ. संजय प्रसाद ने अपने वक्तव्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, इंदौर की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा शर्मिला चॉगड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के बी.एससी. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी रोहित साहू द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय की बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमिका भालके ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विजेता विद्यार्थियों को निर्णायक मंडल की उपस्थिति में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंत में गतिविधि प्रभारी डॉ. मनीषा सिंह मरकाम ने आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. बिन्दू परस्ते एवं डॉ. अर्चना आर्य ने किया। कार्यक्रम की जानकारी डॉ. वन्दना जोशी ने दी।

इंदौर के सुशीला देवी बंसल कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा युवाओं में सुरक्षित यातायात व्यवहार विकसित करने के उद्देश्य से आदर्श सड़क सुरक्षा नगर परियोजना के अंतर्गत इंदौर स्थित के सुशीला देवी बंसल कॉलेज, में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एशियन रोड सेफ्टी एकेडमी (ऋक्र) एवं होंडा इंडिया फाउंडेशन (॥ढ्ढस्न) द्वारा उच्च शिक्षा विभाग इंदौर के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रेरणा अरोड़ा सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए सुरक्षित दोपहिया वाहन चालन के सही तरीकों और सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार के महत्व को समझाया।

उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ संभावित खतरों को समय रहते पहचानना और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सही निर्णय लेना भी आवश्यक है। वीडियो के माध्यम से समझाए गए सड़क पर संभावित खतरे कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक वीडियो के माध्यम से सड़क पर उत्पन्न होने वाली विभिन्न खतरनाक परिस्थितियों को प्रदर्शित किया गया। डॉ. प्रेरणा अरोड़ा सिंह ने विद्यार्थियों को समझाया कि अचानक सामने आने वाले वाहन, अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की अप्रत्याशित गतिविधियां तथा यातायात परिस्थितियों में अचानक होने वाले बदलाव दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में सतर्क रहना, गति नियंत्रित करना और सुरक्षित तरीके से प्रतिक्रिया देना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में डॉ. प्रेरणा अरोड़ा सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी उपायों पर जोर दिया। उन्?होंने कहा कि आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी रखने से अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में टक्कर से बचने में मदद मिलती है। सड़क, यातायात और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार उचित गति बनाए रखना तथा संभावित खतरे को देखते ही गति कम करना आवश्यक है। चारपहिया वाहन में चालक और सभी यात्रियों को सीट बेल्ट का उपयोग करना चाहिए। साथ ही सड़क पर संभावित जोखिमों को पहले से पहचानना, सतर्क रहना और समय पर उचित निर्णय लेना सुरक्षित वाहन चालन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने और सड़क पर अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें दैनिक जीवन में सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना भी था। युवाओं में विकसित होने वाली सुरक्षित ड्राइविंग आदतें न केवल उनके अपने जीवन की रक्षा करती हैं, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

एमपी ट्रांसको में महिला इंजीनियरों के साथ अब दिव्यांग इंजीनियरों की भी तकनीकी और मैदानी कार्यों में भागीदारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में महिला इंजीनियरों की तरह अब दिव्यांग इंजीनियर भी तकनीकी और मैदानी कार्यों में अपने सहकर्मियों के साथ जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। इंदौर के मालवा क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइनों के मेंटेनेंस से लेकर एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सबस्टेशनों की टेस्टिंग और रखरखाव तक महिला अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में बीना में दिव्यांग इंजीनियर भी पावर ट्रांसफार्मर के परीक्षण और रखरखाव सहित नियमित तकनीकी कार्यों में भागीदारी कर रहे हैं।

इंदौर में महिला इंजीनियर संभाल रहीं मेंटेनेंस जिम्मेदारियां- एमपी ट्रांसको की अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना मालवा क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइनों के मेंटेनेंस का कार्य देखती हैं। उनके साथ कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन ने पिछले वर्ष इंदौर शहर में त्योहारों के दौरान निर्बाध विद्युत पारेषण व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सुबह और रात के समय शटडाउन लेकर लाइन संबंधी कार्य कराए थे, ताकि त्योहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर अनावश्यक असर न पड़े।

इंदौर के एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों में टेस्टिंग और मेंटेनेंस संबंधी कार्यों में श्रीमती विनीता भावसार और श्रीमती नूतन शर्मा सहित अन्य महिला अभियंता भी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। इन कार्यों में तकनीकी परीक्षण, उपकरणों के रखरखाव और पारेषण व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने से जुड़े दायित्व शामिल हैं।

बीना में दिव्यांग इंजीनियर भी कर रहे ट्रांसफार्मर टेस्टिंग और मेंटेनेंस- बीना स्थित 220 केवी सबस्टेशन में 200 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के मानसून-पश्चात रखरखाव कार्य में दो दिव्यांग इंजीनियरों ने अपने सहकर्मियों के साथ भागीदारी की। 400 केवी टेस्टिंग डिवीजन, बीना में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर ट्रेनी ऋषिकांत सेन, जिनका दाहिना हाथ नहीं है, और जूनियर इंजीनियर ट्रेनी शुभम श्रीवास्तव रखरखाव एवं परीक्षण संबंधी कार्यों में तकनीकी भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यपालन अभियंता अर्चित श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में दोनों इंजीनियर ट्रांसफार्मर की जांच, परीक्षण और रखरखाव सहित डिवीजन के नियमित, निवारक तथा ब्रेकडाउन संबंधी कार्यों में भाग लेते हैं। सहायक अभियंता रजत जैन भी उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण देने और कार्यों में सहयोग करने की भूमिका निभा रहे हैं।

अन्य विभागों में भी दिव्यांग अधिकारी निभा रहे दायित्व-एमपी ट्रांसको के प्रोक्योरमेंट विभाग में कार्यपालन अभियंता विकास श्रीवास्तव, टेस्टिंग डिवीजन टीकमगढ़ में सहायक अभियंता जी.पी. राय तथा अकाउंट्स ऑफिसर नेहा गुप्ता सहित अन्य दिव्यांग अधिकारी भी अपने-अपने विभागों में जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

इस तरह कंपनी में महिला इंजीनियरों की तकनीकी और मैदानी कार्यों में भागीदारी के साथ दिव्यांग इंजीनियरों की सहभागिता भी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस, सबस्टेशन टेस्टिंग, ट्रांसफार्मर रखरखाव और अन्य विभागीय कार्यों में सामने आ रही है।

बुआई सीजन में गहराया संकटः कछाला ग्रिड पर 4 घंटे डटे रहने पर भी नहीं मिला आश्वासन

प्रशासनिक संवेदनशीलता से टला बड़ा आंदोलन; प्रभारी तहसीलदार के सकारात्मक रुख और त्वरित दखल के बाद दो घंटे बाद खुला चक्का जाम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही सिंगोली अंचल में अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या ने किसानों की रातों की नींद उड़ा दी है। फसलों की सिंचाई के ऐन वक्त पर अघोषित बिजली कटौती व लो-वोल्टेज की समस्या से नाराज कछाला क्षेत्र के सैकड़ों अन्नदाताओं का सब्र शनिवार सुबह आखिरकार टूट गया। फसलों को सूखने से बचाने की चिंता में डूबे आक्रोशित किसान तड़के सुबह 4ः00 बजे ही कछाला स्थित विद्युत ग्रिड हाउस पहुंच गए। करीब चार घंटे तक ग्रिड पर डटे रहने के बाद भी जब बिजली विभाग के किसी जिम्मेदार अधिकारी से कोई सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला, तो भड़के किसानों ने सुबह 9ः00 बजे नीमच-सिंगोली मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कछाला के किसान प्रतिनिधि जमनालाल धाकड़ ने गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि बुआई के इस महत्वपूर्ण समय पर बिजली का न मिलना सीधे तौर पर हमारी सालभर की आजीविका पर चोट है। कछाला ग्रिड पर चार घंटे तक ठंड में रुकने के बाद भी जब बिजली विभाग का कोई जिम्मेदार कर्मचारी हमें सकारात्मक आश्वासन देने नहीं आया, तब जाकर हमें मजबूरन चक्का जाम जैसा सख्त कदम उठाना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान सिर्फ अपनी फसलों को बचाने के लिए अपने हक की बिजली की मांग कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि ग्रिड पर रहने के दौरान उन्होंने दूरभाष के माध्यम से सिंगोली विद्युत वितरण कंपनी के कनिष्ठ अभियंता (जेई) आशीष कुमार खटीक से संपर्क साधने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने फोन तक रिसीव नहीं किया।

मुख्य मार्ग पर चक्का जाम होने की खबर मिलते ही सिंगोली पुलिस बल मुस्तैदी के साथ मौके पर पहुंचा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सिंगोली प्रभारी तहसीलदार बाबूलाल डाबी भी तुरंत जेई आशीष कुमार खटीक को साथ लेकर धरना स्थल पर पहुंचे। प्रभारी तहसीलदार डाबी ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उनके बीच बैठकर बेहद शालीन और सकारात्मक चर्चा की। किसानों को आश्वस्त करते हुए प्रभारी तहसीलदार बाबूलाल डाबी ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और इस महत्वपूर्ण कृषि सीजन में उन्हें किसी भी प्रकार के बिजली संकट का सामना न करना पड़े, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की मांगें पूरी तरह जायज हैं। उन्होंने मौके पर ही बिजली कंपनी के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या संवादहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों को सिंचाई के लिए नियमानुसार पर्याप्त बिजली आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित कराई जाए। प्रशासनिक मुखिया के इस सकारात्मक और त्वरित आश्वासन पर भरोसा जताते हुए किसानों ने सुबह 11ः00 बजे अपना आंदोलन व धरना समाप्त किया।

दूसरी ओर, इस पूरे विषय पर जब सिंगोली जेई आशीष कुमार खटीक से चर्चा की गई, तो उन्होंने किसानों द्वारा फोन न उठाने के आरोपों को पूरी तरह निराधार और गलत बताया। जेई खटीक ने सफाई देते हुए कहा कि मैंने किसानों से फोन पर चर्चा कर उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत कराया था। वर्तमान में अंचल में हो रही कटौती स्थानीय स्तर से नहीं की जा रही है, बल्कि यह प्रदेश स्तर से लागू की गई लोड शेडिंग का हिस्सा है।

यह एक प्रादेशिक समस्या है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जैसे ही राज्य स्तर से ग्रिड पर लोड की स्थिति सामान्य होगी, अंचल के सभी किसानों को नियमानुसार पर्याप्त और सुचारू बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। किसानों के हटने के बाद प्रशासन ने मार्ग का यातायात पूरी तरह सुचारू कराया।

भैंसोदामंडी में जुआघर पर दबिश, 27 आरोपी पकड़े, तीन आरोपी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाना पुलिस ने ग्राम भैंसोदामंडी में बिती रात्रि में एक बड़े जुआघर पर घेराबंदी कर दबिश दी। मौके से पुलिस टीम ने 27 आरोपियों को दबोच लिया, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए। जुआघर पर 36 हजार 610 रुपए नकदी बरामद की गई है। मौके से 288 पर्चियां तथा 8 डायरियां जब्त की गई है, जिसमें 20 लाख रुपए का हिसाब होना पाया गया है। साथ ही 20 बाईक तथा 24 मोबाईल तथा दो केल्क्युलेटर भी जब्त किए गए हैं। आरोपियों द्वारा ऑनलाईन ट्रांजेक्शन कर जुआ, सट्टा खेलना भी पाया गया है।

थाना पुलिस के अनुसार 13 अक्टूबर को मुखबीर सूचना मिली, जिस पर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुंदेला एवं टीम ने भैंसोदामंडी में श्यामसिंह चंदेल के बाड़े में घेराबंदी की। मुखबीर की सूचना थी कि यहां 30 से 40 व्यक्ति सट्टा लेख कर जुआ खेल रहे हैं। योजनाबद्ध तरीके से मुखबीर द्वारा बताए गए स्थान पर जाकर टीम ने घेराबंदी की। इस तरह बाड़े से 27 आरोपियों को मौका स्थल से पकड़ा जा सका। तीन आरोपी भाग गए। नकदी 37 हजार 610 रुपए मिले हैं। मामले में ऑनलाईन ट्रांजेक्शन सट्टा खेलने पर इसकी संबंधित बैंक से जानकारी प्राप्त की जा रही है। पुलिस ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनमें साहिल मोहम्मद निवासी भवानीमंडी, जितेन्द्रसिंह परिहार निवासी भैंसोदामंडी, मांगीलाल मेघवाल भवानीमंडी, प्रकाश नट, राजेश ढोली, बद्रीलाल नट, ओमप्रकाश भील सभी निवासी भवानीमंडी एवं भगवानसिंह राजपूत निवासी खारपा मिसरोली, लखन सिंधी भैंसोदामंडी, योगेन्द्र सिंधी भवानीमंडी, अरशद खान निवासी पाटन, फूलचंद मेघवाल निवासी देवरिया मिसरोली झालावाड़, नारायण बैरागी निवासी सांतलखेड़ी भानपुरा, रामेश्वर बागरी भैंसोदामंडी, रमेश धोबी भवानीमंडी एवं ब्रजेश साहू, राजेन्द्र माली, मांगीलाल मेघवाल सभी निवासी भवानीमंडी एवं हितेश सुथार निवासी भैंसोदामंडी, सत्यनारायण मेहर भवानीमंडी, सुरेन्द्रसिंह भील आमली कला भवानीमंडी, मांगीलाल मेघवाल श्रीराम कॉलोनी भवानीमंडी, मांगीलाल माली निवासी गोलानिया स्टॉक के पास भवानीमंडी, बहादुरसिंह सौंधिया निवासी माड़वी भवानीमंडी, रामप्रसाद सुथार निवासी भवानीमंडी एवं शिवलाल मेघवाल निवासी भवानीमंडी शामिल हैं। सभी को थाने पर ले जाया गया तथा प्रकरण दर्ज किया गया है।

सांसद सुधीर गुप्ता ने रेलवे संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की, रेलवे के विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता ने नई दिल्ली में रेलवे संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वर्ष 2026-27 के दौरान समिति द्वारा परीक्षण हेतु विषयों के चयन से संबंधित मेमोरेंडम संख्या-1 पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया तथा इसे स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही समिति के आगामी कार्यों, प्राथमिकताओं एवं भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से मुलाकात की। इस दौरान रेलवे से जुड़े विभिन्न विषयों तथा देश में रेल सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण से संबंधित पहलुओं पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे देश के विकास, आर्थिक प्रगति और बेहतर यात्री सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रही है। बीते वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण, रेल नेटवर्क के विस्तार, विद्युतीकरण, नई रेल सेवाओं, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, स्टेशनों के पुनर्विकास तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आधुनिक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करना है। अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने, रेल पटरियों की क्षमता बढ़ाने तथा माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। भारतीय रेलवे में हो रहे ये परिवर्तन विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रेलवे संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माध्यम से रेलवे से जुड़े विभिन्न विषयों का परीक्षण, नीतिगत पहलुओं पर विचार-विमर्श तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में कार्य किया जाता है। रेलवे संबंधी संसदीय स्थायी समिति का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर सांसद सुधीर गुप्ता ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए विश्वास जताने पर कृतज्ञता व्यक्त की तथा कहा कि समिति के माध्यम से रेलवे के विकास, आधुनिकीकरण और जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

रबी सीजन की बुआई के मुहाने पर बड़ा संकटः झांतला का नया-पुराना बांध रीता; जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष ने भाजपा विधायक से की नीमच को सूखा घोषित कराने की मांग

हर खेत को पानी का संकल्प धरातल पर उतरे, बुआई के ऐन वक्त पर बांध खाली होने से अन्नदाता बेबस

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही नीमच जिले के किसानों के सामने सिंचाई और पानी की उपलब्धता को लेकर बेहद चिंताजनक स्थिति खड़ी हो गई है। मानसून की बेरुखी और अल्प वर्षा के चलते क्षेत्र की कृषि का मुख्य आधार माना जाने वाला झांतला का ऐतिहासिक नया-पुराना बांध इस बार पूरी तरह खाली (रीता) पड़ा हुआ है। इस बांध के कमांड एरिया के तहत आने वाली हजारों बीघा उपजाऊ कृषि भूमि पानी के अभाव में पड़त (खाली) रहने की कगार पर पहुंच गई है। सिंचाई के अन्य प्रमुख साधन जैसे कुएं और ट्यूबवेल भी रबी सीजन के शुरुआती दौर में ही पूरी तरह जवाब दे चुके हैं, जिससे किसानों के सामने फसलों की बोनी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

इस संवेदनशील स्थिति को लेकर किसानों के पक्ष में सकारात्मक रुख अपनाते हुए जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री मनीष कुमार जैन ने क्षेत्रीय भाजपा विधायक ओमप्रकाश सखलेचा और प्रदेश की भाजपा सरकार से बेहद विनम्रतापूर्वक लेकिन पुरजोर तरीके से आग्रह किया है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए नीमच जिले को तत्काल सूखा घोषित कर पीड़ित किसानों को राहत पहुंचाई जाए।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधि होने के नाते भाजपा विधायक जी आगे बढ़कर थामें किसानों का हाथ – मनीष कुमार जैन- जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनीष कुमार जैन ने एक साझा और सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखते हुए कहा, जावद और नीमच क्षेत्र की सम्मानित जनता ने माननीय भाजपा विधायक ओमप्रकाश सखलेचा जी पर लगातार पांच बार (दो दशकों से अधिक) अटूट विश्वास जताया है और उन्हें क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सौंपकर सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाया है। आज जब रबी सीजन के मुहाने पर खड़ा हमारा अन्नदाता गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है, तब क्षेत्र के सबसे वरिष्ठ राजनेता के रूप में विधायक जी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

श्री जैन ने भाजपा विधायक जी से सहयोगात्मक लहजे में निवेदन करते हुए कहा कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर तत्काल भोपाल जाएं और मुख्यमंत्री व आपदा प्रबंधन विभाग के समक्ष नीमच की वास्तविक ग्राउंड रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने उम्मीद जताई कि पांच बार के जनप्रतिनिधि होने के नाते विधायक सखलेचा अपने दायित्व और कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शासन स्तर पर प्रभावी पैरवी करेंगे और नीमच को सूखा घोषित करवाकर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की मंजूरी दिलवाएंगे।

चंबल परियोजना का लाभ जल्द मिले, खोदे गए गांवों की सुध ले प्रशासन- चंबल परियोजना और जल जीवन मिशन की वर्तमान स्थिति पर ध्यानाकर्षण करते हुए कांग्रेस नेता श्री जैन ने कहा कि सरकार ने चंबल के माध्यम से हर घर को पानी, हर खेत को पानी का जो संकल्प लिया था, उसे अब धरातल पर पूरी तरह क्रियान्वित करने का समय आ गया है। रबी की बुआई शुरू होने के बाद भी यदि इन पाइपलाइनों में पानी नहीं पहुंचता है, तो किसान पूरी तरह बेबस हो जाएगा।

उन्होंने प्रशासन से निवेदन किया कि हर घर जल योजना के तहत जिन गांवों की सड़कें खोदी गई हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जाए ताकि ग्रामीणों को धूल और बदहाल रास्तों से मुक्ति मिले। जैन ने शासन से आग्रह किया कि आगामी भीषण गर्मी और मौजूदा रबी सीजन की आवश्यकता को देखते हुए चंबल पेयजल योजना के साथ-साथ सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर गति दी जाए ताकि झांतला सहित पूरे नीमच के सूखते खेतों को समय पर संजीवनी मिल सकेगा।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनीष कुमार जैन की 4 प्रमुख मांगें -तत्काल सूखा घोषित हो रबी सीजन की वर्तमान विकट स्थिति और खाली पड़े झांतला बांध को देखते हुए नीमच जिले को तत्काल पूर्ण सूखाग्रस्त जिला घोषित किया जाए।

कर्ज वसूली पर रोक- अकाल की स्थिति के मद्देनजर किसानों की बैंक व सहकारी कर्ज वसूली को फिलहाल स्थगित किया जाए।

बिजली बिल माफी प्रभावित किसानों के कृषि पंपों और घरेलू बिजली के बिलों में विशेष छूट या माफी प्रदान की जाए।

त्वरित सर्वे व मुआवजा फसल नुकसान और कम बोनी का त्वरित सर्वे (गिरदावरी) करवाकर तत्काल विशेष मुआवजा व फसल बीमा राशि स्वीकृत की जाए।

आरआई प्रकाश शुक्ला ने तहसील में सर्वप्रथम फ्री रजिस्ट्री कर रचा इतिहास

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिला कलेक्टर हिमांशु चंद्र के कुशल मार्गदर्शन और निरंतर समीक्षा के चलते सिंगोली तहसील में स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय का नया चेहरा बनकर उभरी है। क्षेत्र में राजस्व प्रशासन ने जन-सेवा की ऐसी कसी हुई प्रणाली स्थापित की है कि नीतियां कागजों से निकलकर सीधे अंतिम छोर के व्यक्ति के आशियाने तक पहुंच रही हैं। इस पूरे महा-अभियान में सिंगोली तहसीलदार ऋषभ कुमार ठाकुर का संवेदनशील नेतृत्व और झांतला क्षेत्र के आरआई व पटवारी प्रकाश शुक्ला की अनुकरणीय कार्यकुशलता पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। तहसीलदार ऋषभ कुमार ठाकुर का सराहनीय कदम; झोपड़ी में दी दस्तक- प्रशासनिक संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सिंगोली तहसीलदार ऋषभ कुमार ठाकुर ने सुदूर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के ग्राम अंबा में खुद मोर्चा संभाला। तहसीलदार ठाकुर अपनी पूरी टीम के साथ गरीब आदिवासियों की झोपड़ियों के भीतर तक पहुंचे और उन्हें उनके पुश्तैनी मकानों की निःशुल्क रजिस्टर्ड रजिस्ट्री (प्रॉपर्टी कार्ड) अपने हाथों से प्रदान की। शासन द्वारा तहसीलदारों को उप-पंजीयक के अधिकार दिए जाने के बाद, तहसीलदार ऋषभ कुमार ठाकुर ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी जरूरतमंद ग्रामीण को जिला या तहसील मुख्यालय की चौखट पर न भटकना पड़े।

सरपंच के बाड़े में दबिश, कार की स्कीम में मिले एक करोड़ 29 लाख नकद, तीन आरोपी पकड़ाए, जांच जारी, आयकर विभाग को बताया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस ने मुखबीर सूचना पर एक बिना नंबर की स्कार्पियो कार की स्कीम में छिपाकर ले जाए जा रहे एक करोड़ 29 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। कार्रवाई बरखेड़ा उदा गांव में की गई, जहां दबिश के दौरान तीन व्यक्ति कार के पास खड़े मिले थे, सभी को हिरासत में लेकर आयकर विभाग को भी सूचना दी है।

पुलिस के अनुसार 14 अक्टूबर को मुखबीर सूचना मिली कि ग्राम बरखेड़ा उदा के सरपंच भवानीशंकर मीणा के घर पर उत्तरप्रदेश के दो व्यक्ति बिना नंबर की काली स्कार्पियो कार से आए हुए हैं। कार सरपंच भवानीशंकर मीणा के घर के पीछे बाड़े खड़ी है। तीनों व्यक्ति ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी कर बड़ी मात्रा में अवैध कमाई के नकदी रुपए बिना नंबर की काले कलर की कार स्कार्पियो में स्कीम बनाकर छुपा रखे हैं। तीनों व्यक्ति उक्त कार से कहीं बाहर जाने वाले हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना को अवगत कराया गया। एसपी मीना ने विशेष टीम गठित करते हुए तत्काल कार्रवाई हेतु भवानीशंकर मीणा के निवास स्थान ग्राम बरखेड़ा उदा में दबिश दी। यहां काले रंग की कार भवानीशंकर के घर के पीछे बाड़े में मिली। इस दौरान तीन आरोपी भी मौके पर मौजूद मिले। इनकी पहचान भवानीशंकर पिता प्रभुलाल मीणा 49 वर्ष निवासी बरखेड़ा उदा थाना शामगढ़ एवं मोह. इस्लाम पिता मोह. वसीम जाति पठान 47 वर्ष निवासी प्रतापपुर जीवन सहाय थाना नगर जिला बरेली उत्तरप्रदेश एवं सूर्यप्रकाश पिता कृष्णस्वरूप गंगवाड़ जाति कुर्मी 59 वर्ष निवासी सेंट्रल इस्टेट कॉलोनी थाना इज्जत जिला बरेली उत्तरप्रदेश के रूप में की गई। पूछताछ में तीनों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। संदिग्ध प्रतीत होते पर तीनों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर भवानीशंकर मीणा के घर, बाड़े व आसपास खेत पर तलाशी ली गई। बाद में तीनों को स्कार्पियो कार सहित थाने पर लाया गया। यहां मेकेनिक तलब कर कार की तलाशी ली गई। कार की बॉडी मेकेनिक ने खोली इस पर गुप्त स्थानों से बड़ी मात्रा में अवैध नकदी मिली, जो गिनने पर एक करोड़ 29 लाख निकली। जब्त राशि के स्रोतों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आयकर विभाग को भी सूचना दी है। इस कार्रवाई में एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति का नेतृत्व रहा तथा टीम में सुवासरा थाना निरीक्षक बीडी बीरा, भानपुरा थाना प्रभारी विनय बुंदेला, शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक शैलेन्द्रसिंह कनेश, उनि ओपी राठौर, मनोज महाजन तथा शामगढ़, सुवासरा व भानपुरा थाने का स्टॉफ शामिल रहा।

सात माह से फरार एनडीपीएस एक्ट का आरोपी अहमदाबाद से पकड़ाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस ने सात माह से फरारी काट रहे एनडीपीएस एक्ट के एक आरोपी को सूचना पर गुजरात के अहमदाबाद से पकड़ा है। पुलिस के अनुसार सूचना पर रूनिजा चौकी प्रभारी भारत कटारा एवं टीम ने द्वारा 31 मार्च 2026 को धनवाड़ा पुलिस चेक पोस्ट के पास नाकाबंदी की गई। आरोपी कपिल मेहर के कब्जे वाली कार से 90 किलो डोडाचूरा जब्त किया था। वह घटना दिनांक से ही अंधेरे का फायदा उठाकर फरार रहा । जिसकी तलाश में कई बार संभावित स्थलों पर दबिश दी गई। इस दौरान सायबर सेल मंदसौर की मदद से उसे अहमदाबाद में दबिश देकर पकड़ा गया। आरोपी कपिल पिता प्रेमचंद मेहर निवासी भवानीमंडी रोड सुन्हेल जिला झालावाड़ राजस्थान को गिरफ्तार कर उससे मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ की जा रही है। आरोपी के बताए अनुसार प्रकरण में लक्ष्णसिंह सौंधिया निवासी गरड़ा थाना शामगढ़ को भी आरोपी बनाया गया है। इस कार्रवाई में भानपुरा थाना निरीक्षक भगवानदास बीरा, रूनिजा चौकी प्रभारी भारत कटारा, प्रआ आशीष बैरागी सायबर सेल, प्रआ मुजफ्फर सायबर सेल शामिल रहे।

दीपावली-नवरात्रि पर भी आर्थिक संकट में महिलाएं, मानदेय और कमीशन के लिए भटक रहीं रसोइया बहनें व महिला PDS विक्रेता : प्रदेश सचिव कुलदीप सेन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की भाजपा सरकार एक ओर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर महिला समूह संचालक, रसोइया बहनें और महिला सार्वजनिक वितरण प्रणाली विक्रेता भुगतान संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं। नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के समय भी मेहनतकश महिलाओं को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर केश शिल्पी कांग्रेस मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव एवं युवा कांग्रेस नेता कुलदीप सेन ने प्रदेश सरकार पर सवाल उठाते हुए लंबित भुगतान तत्काल जारी करने की मांग की है।

कांग्रेस नेता सेन ने कहा कि मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत कार्यरत महिला समूहों और रसोइया बहनों को जून 2026 से मानदेय एवं भोजन पकाने की राशि नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लंबे समय तक मेहनताना नहीं मिलने से महिलाओं पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल है कि जब घर चलाने के लिए समय पर पैसा नहीं मिल रहा, तो महिलाएं दीपावली का त्योहार कैसे मनाएंगी कांग्रेस नेता कुलदीप सेन ने कहा मध्यप्रदेश में इस योजना का संचालन करने वाली 2लाख 32हजार रसोइया बहने है - मध्याह्न भोजन की रसोइया को 4,000 और आंगनवाड़ी में खाना बनाने वाली महिलाओं को मात्र 500 मासिक, क्या यही है भाजपा सरकार का महिला सशक्तिकरण

महिलाओं से काम पूरा, लेकिन मेहनताना देने में सरकार पीछे, यह महिलाओं की मेहनत का अपमान और शोषण है।में रसोईया बहनों कामहंगाई को देखते हुए सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए

उन्होंने महिला PDS विक्रेताओं की समस्या उठाते हुए कहा कि उनके अनुसार, पहले 10,500 मासिक कमीशन पर आवंटित दुकानों का कमीशन बिना पूर्व सूचना और आदेश की जानकारी दिए घटाकर 8,500 कर दिया गया है, जबकि यह राशि भी समय पर नहीं मिल रही। वहीं, वर्ष 2022 के बाद आवंटित कुछ दुकानों को मात्र 5,500 मासिक कमीशन में संचालित करना पड़ रहा है। इतने कम कमीशन में दुकान का संचालन और परिवार का खर्च चलाना महिला विक्रेताओं के लिए बड़ी चुनौती है। अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश में भी PDS विक्रेता को भी प्रति क्विंटल 200से 250 तक कमीशन मिलना चाहिए

कुलदीप सेन ने सवाल किया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रचार-प्रसार करने वाली सरकार जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं की समस्याओं पर ध्यान क्यों नहीं दे रही उन्होंने कहा कि महिला समूह संचालक, रसोइया बहनें और PDS विक्रेता सरकारी योजनाओं को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन समय पर भुगतान नहीं मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है।

सगे भाई पर एफआईआर के विरोध में विधायक ने कांग्रेस संग घेरा दलौदा थाना, बोले- टीआई को भाजपा बचा रही, सीएसपी के आश्वासन पर माने

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा में सरपंच और विधायक के परिवार के बीच का विवाद अब सियासी रंग ले चुका है। दलौदा सरपंच दुर्गा कैथवास की शिकायत पर विधायक विपिन जैन के सगे भाई नितिन जैन के खिलाफ एसीएसटी एक्ट में मामला दर्ज होने के विरोध में बुधवार शाम विधायक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ दलौदा थाने का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। कांग्रेस ने पुलिस पर राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन शाम करीब 5 बजे शुरू हुआ। विधायक विपिन जैन ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि फिलहाल टीआई को भाजपा के लोग बचा रहे हैं, लेकिन ईश्वर सब देख रहा है। उन्होंने पुलिस पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान विधायक के बयानों और नारेबाजी से माहौल गरमाया रहा। ज्ञापन में तीन मांगें रखी गईं - नितिन जैन सहित अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर खत्म की जाए, गोलू कैथवास के खिलाफ जांच कर मामला दर्ज किया जाए और दलौदा थाना प्रभारी को हटाया जाए। गौरतलब है कि सरपंच दुर्गा कैथवास ने शिकायत में आरोप लगाया था कि ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के बाद घर लौटते समय नितिन जैन और उनके साथियों ने उन्हें और उनके पति अनिल कैथवास को जातिसूचक शब्द कहे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नितिन जैन और अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना के बाद से स्थानीय राजनीति में तनाव बढ़ गया है। मौके पर पहुंचे नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर ने ज्ञापन लिया और मांगों के अनुरूप कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

सम्पादकीय

उग्र आंदोलनों के आगे असहाय जनता

अपने देश को आजादी ही आंदोलन के जरिये मिली थी, इसलिए उसकी एक परंपरा विकसित हो गई। इसलिए और भी, क्योंकि संविधान शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की एक शक्ति है। विडंबना यह रही कि आंदोलन की परंपरा विकसित होने के साथ ही विकृत भी होती गई। इसके चलते देश अराजकता भरे अनेक आंदोलनों का गवाह बना। कई बार इस अराजकता के चलते जान के साथ माल का भी भारी नुकसान हुआ है। आंदोलनों के उग्र हो जाने के परिणामस्वरूप पुलिसकर्मियों की भी जानें गई हैं। आंदोलनों के दौरान न जाने कितनी बार सार्वजनिक संपत्ति के साथ-साथ आम लोगों के वाहन जलाए गए हैं। इसका शायद ही किसी को अनुमान हो कि उग्र आंदोलनों के चलते ट्रेन की कितनी बोगियां फूंकी जा चुकी हैं और कितनी बसें एवं कारें तोड़ी या जलाई जा चुकी हैं। इसका भी हिसाब किसी के पास नहीं कि चक्का जाम आंदोलनों से वाहनों और रेलों का आवागमन रोक देने या फिर सड़क घेरकर बैठ जाने से कितने करोड़ों-करोड़ लोग परेशान होते रहते हैं। आंदोलनों के कारण अपने काम-धंधे के लिए निकले आम लोग खीझते रहते हैं, लेकिन उनकी पहले भी सुनवाई नहीं होती थी और अब भी नहीं होती। कोई उनकी पीड़ा को न सुनता है और न ही समझता है। आंदोलन से परेशान लोग किसी को कोसें, अंततः उनके हिस्से में क्षोभ और कुंठा ही आती है।

सड़क पर उतरे कुछ सौ प्रदर्शनकारी अपने उग्र-अराजक रवैये से हजारों-लाखों लोगों की नाक में दम कर सकते हैं। याद करें सीएए के खिलाफ शाहीन बाग आंदोलन और कृषि कानून विरोधी आंदोलन। भारत बंद की पुकार पर कई आंदोलन और विरोध प्रदर्शन देशव्यापी भी होते हैं, लेकिन अब ऐसा करते हुए ऐसे नारे भी लगने लगे हैं, बंद दुकानें तुम्हारी, खुली दुकानें हमारी। इसका अर्थ होता है कि यदि किसी ने देश, प्रदेश या जनपद बंद के दौरान दुकान खोलने का साहस किया तो उसमें तोड़फोड़ हो सकती है। अनेक ऐसे आंदोलन होते हैं, जिनमें प्रदर्शनकारी या तो एक स्थान पर नारेबाजी करते हैं या किसी अधिकारी के कार्यालय तक मार्च करते हुए जाते हैं और वहां उसे ज्ञापन देकर आते हैं। आम तौर पर वे पुलिस बैरिकेडिंग से आगे नहीं बढ़ते, लेकिन अब बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन करना और पुलिस बैरिकेडिंग गिराकर या लांघकर आगे बढ़ना आम हो गया है। जब ऐसा होता है तो पुलिस लाठीचार्ज करती है। कई बार भीड़ तितर-बितर हो जाती है, लेकिन कभी वह भी पिटती है और पुलिस भी। ऐसे मौकों पर भीड़ के उग्र हो जाने की स्थिति में उस पर गोली चलाने की भी नौबत आती रही है। अब तो पुलिस को अराजकता का सहारा ले रहे आंदोलनकारियों से ही नहीं, तमाशबीनों, पेशेवर आंदोलनजीवियों, यूट्यूबरों, रीलबाजों की जमात और अफवाह फैलाने वालों से भी निपटना पड़ता है।

आंदोलन इसलिए लोकतंत्र के लिए आवश्यक होते हैं, क्योंकि वे आक्रोशित या पीड़ित समूह के आक्रोश को निकालने का काम करते हैं। किसी ने सही ही कहा है कि आंदोलन प्रेशर कुकर जैसे होते हैं। लोग तार्किक और न्यायसंगत के साथ अतार्किक मांगों को लेकर भी आंदोलन कर सकते हैं। करते भी हैं। इसे रोका नहीं जा सकता। धरना-प्रदर्शन, रैली-सभा या आंदोलन के दौरान झूठे दावे करने पर भी कोई रोक नहीं। याद करें जब बोफोर्स तोप सौदे में दलाली का मामला गर्म था, तब वीपी सिंह जेब से एक पर्ची निकाल कर कहते थे कि इसमें दलालों के नाम हैं। वक्त आने पर बताएंगे। सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान यह कुप्रचार किया गया कि इससे मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान कथित किसान नेता कहते थे कि सरकार किसानों के खेत छीनकर अंबानी-अदाणी को दे देगी। राफेल सौदे में दलाली के अपने आरोप को पुख्ता करने के लिए राहुल गांधी दावा करते थे कि खुद मोदी ने दलाली खाने वाले की जेब में पैसा डाला है। कई बार आंदोलनकारियों के पास कोई तार्किक मुद्दा होता है, पर वे आंदोलन के लिए अराजक तरीके अपनाना पसंद करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे ज्यादा से ज्यादा लोग तंग होंगे और इससे ही शासन-प्रशासन दबाव में आएगा। अब न्यायपालिका को भी दबाव में लेने का काम होने लगा है। बीते दिनों राहुल गांधी ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मिलने की इच्छा जताई, जिसकी कोर्ट सुनवाई कर रहा है। जब उन्हें बताया गया कि ऐसा नहीं हो सकता तो वे विपक्षी नेताओं के साथ सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करते हुए गए और पुलिस को चकमा देकर याचिका देने का नया तरीका चुना। कुल मिलाकर धरना-प्रदर्शन के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। इस क्रम में आंदोलन करने वाले पुलिस-प्रशासन के साथ आम लोगों के लिए कहीं अधिक परेशानी का कारण बन रहे हैं, क्योंकि अब आंदोलन के नाम पर कोई भी समूह कहीं भी, कभी भी सड़क पर हंगामा खड़ा कर सकता है। कोई नहीं जानता कि आंदोलनों का प्रोटोकाल कब बनेगा, जिसकी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने जरूरत जताई थी।

सहजयोग और शक्ति पूजा : दिव्य शक्ति की अनुभूति

भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति पूजा का विशेष महत्व है। शक्ति को सृष्टि की मूल ऊर्जा, सृजन की आधारशिला और समस्त ब्रह्मांड की चेतना का प्रतीक माना गया है। सहजयोग इसी दिव्य शक्ति को अपने भीतर अनुभव करने का एक सहज और आध्यात्मिक मार्ग प्रस्तुत करता है। यह केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मसाक्षात्कार, आंतरिक शांति और आत्मिक जागृति की एक सुंदर प्रक्रिया है।

शक्ति पूजा का अर्थ केवल देवी की मूर्ति के सामने दीप प्रज्वलित करना या मंत्रों का जाप करना नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति के प्रति श्रद्धा, समर्पण और जागरूकता विकसित करना है। माँ दुर्गा, माँ काली, माँ सरस्वती और माँ लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूप शक्ति के अलग-अलग गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये स्वरूप हमें साहस, ज्ञान, करुणा, विवेक और सकारात्मकता का संदेश देते हैं।

जब मनुष्य सच्चे हृदय से शक्ति की उपासना करता है, तो वह अपने जीवन में आध्यात्मिक अनुशासन, आत्मविश्वास और सद्भाव को स्थान देने का प्रयास करता है। सहजयोग की स्थापना परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने की थी। सहजयोग के अनुसार प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक सूक्ष्म आध्यात्मिक ऊर्जा विद्यमान है, जिसे कुण्डलिनी शक्ति कहा जाता है। आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से इस ऊर्जा के जागरण का अनुभव किया जा सकता है।

सहजयोग में ध्यान, आत्मनिरीक्षण और विचारों से परे शांति की अवस्था का विशेष महत्व है। जब साधक नियमित रूप से ध्यान करता है, तो वह अपने भीतर संतुलन, शांति और आत्मिक जागरूकता विकसित करने का प्रयास करता है। यह साधना व्यक्ति को स्वयं को समझने और अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा देती है।

शक्ति पूजा और सहजयोग एक सुंदर संगम - शक्ति पूजा और सहजयोग का आध्यात्मिक संबंध आंतरिक चेतना और दिव्य ऊर्जा की अनुभूति में देखा जा सकता है। जहाँ शक्ति पूजा श्रद्धा और समर्पण का मार्ग दिखाती है, वहीं सहजयोग अपने भीतर स्थित शक्ति को अनुभव करने पर बल देता है। दोनों ही साधक को बाहरी आडंबर से आगे बढ़कर आध्यात्मिकता के वास्तविक अर्थ को समझने की प्रेरणा देते हैं।

सहजयोग और शक्ति पूजा का संदेश यही है कि दिव्यता की खोज केवल बाहरी संसार में नहीं, बल्कि अपने अंतर्मन में भी की जानी चाहिए। श्रद्धा, ध्यान, करुणा और आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को अधिक शांतिपूर्ण, संतुलित और सार्थक बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। सच्ची शक्ति वही है, जो हमें अहंकार से मुक्त होकर प्रेम, विवेक और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे।

छात्रः सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है।

डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है।

छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकरण की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाव का कारण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और सार्थक भागीदारी भी चाहिए।

यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा। विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि साहस का अर्थ किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि अपने क्रोध, आवेग और अहंकार पर विजय पाना है। विश्व छात्र दिवस पर डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम शिक्षा को परीक्षा-केंद्रित संकीर्णता से निकालकर जीवन निर्माण का माध्यम बनाएंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, खेलों, कला, साहित्य, सामाजिक सेवा और नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा। नशे के विरुद्ध जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद, शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों में विश्वास और छात्र राजनीति में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विकास भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान, पर्यावरण संरक्षण, वंचित बच्चों की शिक्षा और सामुदायिक सेवा से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक कर्मभूमि दी जा सकती है। साथ ही शिक्षण संस्थानों को भयमुक्त, न्यायपूर्ण और उत्तरदायी वातावरण उपलब्ध कराना होगा, क्योंकि अनुशासन का अर्थ दमन नहीं और स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं है। डॉ. कलाम का विद्यार्थी-दर्शन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक नेता, सरकार या वैज्ञानिक का अकेला अभियान नहीं, बल्कि करोड़ों जाग्रत मस्तिष्कों की सामूहिक साधना है। आज के विद्यार्थी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रतियोगिता में आगे निकलना नहीं, बल्कि अपनी सफलता को सार्थक बनाना है। उसे यह तय करना होगा कि उसकी प्रतिभा समाज को जोड़ने में लगेगी या तोड़ने में, उसकी बुद्धि समाधान खोजेगी या संकट बढ़ाएगी और उसका साहस निर्माण का इतिहास लिखेगा या विनाश की कहानी। विश्व छात्र दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि युवा शक्ति को केवल नियंत्रित करने की नहीं, सही दिशा देने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के सपनों को पंख मिलें, उनकी जिज्ञासा को अवसर मिले और उनके चरित्र को नैतिक आधार मिले, तभी शिक्षा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बनेगी। क्योंकि देश का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि उसके विद्यार्थी कितना जानते हैं, बल्कि इससे भी तय होता है कि वे अपने ज्ञान का उपयोग किसके लिए और किस उद्देश्य से करते हैं। डॉ. कलाम का भारत तभी साकार होगा, जब कक्षाओं से चरित्र, प्रयोगशालाओं से नवाचार, आंदोलनों से उत्तरदायित्व और युवाओं के संकल्पों से सृजन की नई संस्कृति जन्म लेगी। यही विश्व छात्र दिवस की सार्थकता है और यही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला।

-ललित गर्ग

स्टारलिंकः इंटरनेट से ज़्यादा महत्वपूर्ण डेटा और सुरक्षा है

दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक, एलोन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लेकर भारत में काफी विवाद चल रहा है। कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं, खासकर भारत की सुरक्षा से जुड़े। दावा किया जा रहा है कि यह तकनीक, जो भारत के दूरदराज के इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान संचार व्यवस्था को बहाल करने में मददगार साबित हो सकती है, लेकिन इसके साथ कुछ अहम सवाल भी जुड़े हैं। क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर इस पर आंख बंद करके भरोसा किया जा सकता है? क्या जरूरत पड़ने पर भारतीय सरकार अपनी शर्तों के अनुसार इसके इंटरनेट नेटवर्क को बंद या चालू कर पाएगी? क्या इससे भारतीय उपयोगकर्ताओं का संवेदनशील डेटा पूरी तरह से देश के नियंत्रण में रहेगा?

ये ऐसे सवाल हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और किसी भी सुविधा को शुरू करने को हल्के में नहीं लिया जा सकता। हाल ही में, विशेषज्ञों ने इन्हीं सवालों के मद्देनजर चेतावनी दी है कि स्टारलिंक पर अत्यधिक निर्भरता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती है। हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के लिए सख्त नियम बनाए हैं, लेकिन इन नियमों के बावजूद नेटवर्क के संचालन पर अंतिम नियंत्रण स्पेसएक्स के पास ही है। यही भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

स्टारलिंक पृथ्वी की निचली कक्षा (स्र्वह्र) में स्थित उपग्रहों के नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट सेवा प्रदान करता है। यह तकनीक पारंपरिक उपग्रह इंटरनेट सेवाओं की तुलना में कम विलंबता और उच्च गति वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए विकसित की गई है। इसकी मदद से, इंटरनेट उन दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचाया जा सकता है जहां मोबाइल नेटवर्क या फाइबर ब्रॉडबैंड प्रदान करना कठिन और महंगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2026 तक, स्टारलिंक के नेटवर्क में 10,000 से अधिक सक्रिय उपग्रह थे। उस समय, यह संख्या पृथ्वी की कक्षा में कुल सक्रिय उपग्रहों का लगभग दो-तिहाई थी। कंपनी भविष्य में अपने नेटवर्क को 42,000 उपग्रहों तक विस्तारित करने की भी योजना बना रही है। यह उल्लेखनीय है कि भारत के लिए इस तकनीक का आकर्षण स्पष्ट है। यह दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, सीमावर्ती क्षेत्रों और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित स्थानों में संचार का एक वैकल्पिक साधन बन सकती है।

-सुनील कुमार महला

युद्ध से सुलगती मानवता, आहत होती संवेदना की आत्मा

युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, यह तो केवल नए और विकराल घाव पैदा करता है महात्मा गांधी,जब हम रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष और अमेरिका-ईरान-इज़राइल के बीच सुलगते मध्य-पूर्व के तनाव को एक साथ देखते हैं, तो एक ही कड़वी सच्चाई सामने आती है इन युद्धों में न कोई देश जीतता है, न कोई हारता है; यहाँ केवल और केवल मानवता हारती है। हर एक धमाके के साथ इंसानियत की आत्मा और संवेदना का एक और टुकड़ा हमेशा के लिए दम तोड़ देता है।

वर्तमान संघर्षों का विदारक सच रक्तपात के अंतहीन सिलसिले हैं, आज विश्व के विभिन्न भू-भागों में जो भू-राजनीतिक संघर्ष चल रहे हैं, उन्होंने मानव इतिहास के सबसे काले अध्यायों की याद ताजा कर दी है।फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस और यूक्रेन का यह खूनी संघर्ष अब अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

आज की इस इक्कीसवीं सदी में, जिसे हम विज्ञान, तकनीकी क्रांति, अंतरिक्ष अन्वेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का स्वर्णिम युग कहते हैं, पृथ्वी का एक बड़ा हिस्सा बारूद के ढेर पर बैठा है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक, मानवता निरंतर जारी संघर्षों की आग में झुलस रही है। यूक्रेन के मैदानों से लेकर गाजा की मलबे में तब्दील गलियों तक, और लेबनान से लेकर पश्चिम एशिया के आसमान में गूंजती मिसाइलों की आवाज़ों तक यह सब इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक सभ्य समाज आज भी पाषाण युग की हिंसक प्रवृत्तियों से बाहर नहीं निकल पाया है।

भू-राजनीतिक वर्चस्व और नाटो के विस्तार की खींचतान में शुरू हुई इस लड़ाई ने दोनों तरफ के हज़ारों युवाओं को मौत के मुंह में धकेल दिया है। यूक्रेन के शहर खंडहर में बदल चुके हैं, स्कूल, अस्पताल और ऊर्जा संयंत्र मलबे का ढेर बन चुके हैं। लाखों लोग शरणार्थी बनने को मजबूर हैं। ठंड में ठिठुरते बच्चे, अपनों को खोती माएं और बंजर होते खेत इस बात की गवाही दे रहे हैं कि यह युद्ध सिर्फ सरहदों का नहीं, बल्कि इंसानियत के पतन का दस्तावेज़ है।

अक्टूबर 2023 से मध्य-पूर्व में शुरू हुआ इज़राइल और हमास (फिलिस्तीन) का संघर्ष मानवता के माथे पर एक ऐसा कलंक है जो कभी मिटाया नहीं जा सकता। गाजा पट्टी पर बरसते बमों ने हज़ारों मासूम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को लील लिया है। अस्पताल, शरणार्थी शिविर और राहत सामग्री के ट्रक तक सुरक्षित नहीं हैं। भोजन, पानी और दवाइयों की घोर कमी ने एक मानवाधिकार संकट पैदा कर दिया है। दूसरी ओर, इज़राइल के नागरिकों के दिलों में भी डर और अनिश्चितता का आतंक है। यह संघर्ष इस बात का प्रतीक है कि सदियों पुरानी नफरत और ज़मीन के टुकड़ों की जिद कैसे इंसानों को दरिंदा बना देती है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका की रणनीतिक दखलंदाजी, ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और इज़राइल की सुरक्षा की जिद्द ने इस पूरे क्षेत्र को एक बारूद के ढेर में बदल दिया है। मिसाइल हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त हत्याओं के दौर ने पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध के साए में ला खड़ा किया है। एक गलत कदम पूरी मानव सभ्यता को राख के ढेर में बदल सकता है। यहाँ संघर्ष सिर्फ हथियारों का नहीं, बल्कि कूटनीति की विफलता और वर्चस्व की अंधी हवस का है। न कोई जीत, न कोई हार- केवल संवेदनाओं का नरसंहार

युद्ध के मैदान में चाहे कोई भी झंडा फहराए, अंततः विजय केवल मृत्यु की होती है। पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि युद्ध से कोई एक पक्ष जीतता है और दूसरा हारता है, किंतु आधुनिक युद्धों का गणित पूरी तरह बदल चुका है। युद्ध में खर्च होने वाला खरबों डॉलर का धन यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, भुखमरी मिटाने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में लगाया जाए, तो यह धरती स्वर्ग बन सकती है। लेकिन दुर्भाग्य से, इंसानी बुद्धिमत्ता विध्वंस के साधन जुटाने में व्यस्त है। जो बच्चे आज बमों की आवाज़ के बीच बड़े हो रहे हैं, उनके अवचेतन मन में जो डर और हिंसा भर रही है, वह आने वाली कई पीढ़ियों को विक्षिप्त कर देगी। युद्ध सिर्फ शरीर को नहीं मारता, यह जीवित लोगों की आत्मा को अंदर से दीमक की तरह चाट जाता है।

जब टीवी स्क्रीन पर हज़ारों लोगों की मौत की खबरें रोज़ाना आने लगती हैं, तो इंसानी समाज इतना अभ्यस्त हो जाता है कि वह लाशों की गिनती पर भी संवेदना खो बैठता है। यही संवेदना की वास्तविक मृत्यु है—जब दर्द सिर्फ एक आंकड़ा बनकर रह जाए। जब-जब मानव जाति ने अहंकार और हिंसा का मार्ग अपनाया है, तब-तब महान संतों, विचारकों और दार्शनिकों ने हमें आगाह किया है। उनके ये वचन आज के दौर में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं-

आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। महात्मा गांधी

गांधीजी का यह सत्य आज यूक्रेन और गाजा के मैदानों में अक्षरशः सच साबित हो रहा है। हिंसा का उत्तर हिंसा से देने की इस अंधी दौड़ में आज पूरी दुनिया वैचारिक और नैतिक रूप से अंधी हो चुकी है।

मैं नहीं जानता कि तीसरे विश्व युद्ध में कौन से हथियार लड़े जाएंगे, लेकिन चौथे विश्व युद्ध में इंसान लाठी और पत्थरों से लड़ेंगे। अल्बर्ट आइंस्टीन महान वैज्ञानिक आइंस्टीन की यह चेतावनी आधुनिक परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए एक सीधी ललकार है। यदि युद्ध नहीं रुके, तो हमारी आधुनिक सभ्यता अपनी ही तकनीक के बोझ तले दफन हो जाएगी और हम फिर से पाषाण युग में लौटने को विवश होंगे।

युद्ध में युवा लोग मरते हैं और बूढ़े लोग आपस में बात करते हैं। जवाहरलाल नेहरू रत के प्रथम प्रधानमंत्री का यह कथन आज के राजनेताओं और युद्ध के सौदागरों के चेहरे पर एक करारा तमाचा है। कुर्सी और सत्ता के सिंहासन पर बैठे लोग जंग का ऐलान करते हैं, और अपनी जान गंवाते हैं वे मासूम सैनिक और नागरिक जिनका उस राजनीति से कोई लेना-देना नहीं होता।

क्रोध से कभी क्रोध शांत नहीं होता, क्रोध केवल प्रेम से शांत होता है,यह एक सनातन नियम है। महात्मा बुद्ध तथागत बुद्ध का यह संदेश आज के युद्ध-ग्रस्त राष्ट्रों के लिए एकमात्र आध्यात्मिक औषधि है। शांति का मार्ग युद्ध के मैदान से नहीं, बल्कि वार्ता की मेज और एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने से निकलता है।आज वक्त आ गया है कि विश्व के देश, अंतरराष्ट्रीय संगठन (जैसे संयुक्त राष्ट्र) और हम सभी नागरिक अपनी सोई हुई अंतरात्मा को जगाएं। हथियारों के कारखानों को बंद करके करुणा, सहअस्तित्व और भाईचारे के कारखानों को जीवित करना होगा।

युद्ध मैदान में चाहे कोई भी जीते या हारे, मानवता की हार को अब और अधिक सहन नहीं किया जा सकता। अमेरिका, ईरान, इज़राइल, रूस और यूक्रेन—इन सभी देशों के शासकों को अहंकार की देहरी लांघकर बातचीत की राह पर लौटना होगा। क्योंकि अगर आज हमने शांति का मार्ग नहीं चुना, तो इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा, और आने वाली पीढ़ियां हमें केवल एक ऐसी क्रूर प्रजाति के रूप में याद रखेंगी जिसने अपनी ही नासमझी से अपनी सुंदर दुनिया को नर्क बना दिया था।

याद रखिए, सरहदें कागज़ पर खींची जाती हैं, लेकिन दर्द इस धरती की हर सांस लेने वाले जीव का साझा होता है। आइए, बारूद की इस गंध को मिटाकर प्रेम और संवेदना की बयार को फिर से बहने दें।

-संजीव ठाकुर

मनमानी सजा पर दुर्भाग्यपूर्ण मौन

श्रीलंका के हिंदू इंजीनियर सिवारसा अनोजन को सऊदी अरब में मृत्युदंड सुनाए जाने की घटना अभी अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। युवा सिवारसा वहां बैट्री बनाने वाली एक फैक्ट्री में काम करते थे। सोशल मीडिया पर किसी तमिल मुस्लिम से एक विवाद के दौरान उनकी एक टिप्पणी पर उन्हें सऊदी अरब में मृत्युदंड सुनाया गया है। इस पर तमाम मुस्लिम भी आपत्ति कर रहे हैं, जबकि हिंदू नेता और संगठन आश्चर्यजनक रूप से मौन हैं। इस मामले में हुआ यूं था कि 27 जून को श्रीलंका के कतरगामा में भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) की एक तीर्थयात्रा के दौरान किसी मुस्लिम को एक कुत्ते को लात मारते हुए रील बनाई गई, जो तीर्थयात्रियों के पीछे-पीछे चल रहा था। इस संबंध में फेसबुक पर टिप्पणी में किसी मुसलमान ने भगवान शिव के बारे में अपमानजनक टिप्पणी कर दी। उसके उत्तर में सिवारसा ने तमिल में मोहम्मद पर कोई टिप्पणी की। यद्यपि, दस मिनट के भीतर उसने टिप्पणी हटा दी और इसके लिए क्षमा भी मांगी, मगर किसी ने उस टिप्पणी का स्क्रीनशाट लेकर सिवारसा की कंपनी के सऊदी मालिक को भेज दिया। उसके बाद सिवारसा को गिरफ्तार कर लिया गया तथा पांच वर्ष के कारावास और 30 लाख सऊदी रियाल के जुर्माने की सजा सुनाई गई। गत 17 सितंबर अपीलीय अदालत ने शरीयत कानून के तहत उसकी सजा बढ़ाकर मृत्युदंड कर दी।

यह घटना कई सवाल खड़े करती है, जिस पर सभी मानवतावादी लोगों, विशेषकर हिंदू नेताओं और बुद्धिजीवियों को चिंता करनी चाहिए। चाहे वे किसी भी दलीय या वैचारिक झुकाव के हों, क्योंकि एकतरफा शरीयत लादने वाले इस्लामी शासक, मुल्ले, संगठन किसी गांधीवादी, वामपंथी या संघी हिंदू में फर्क नहीं करते। जो यहां हाल में और अभी भी कश्मीर में भी देखा गया। जिहाद और शरीयत ने तमाम हिंदुओं का सफाया किया या खदेड़ दिया। यह नहीं पूछा कि वे किस पार्टी के समर्थक हैं। इसलिए, सारी दुनिया के हिंदुओं के लिए सिवारसा को मृत्युदंड की घोषणा कोई अप्रासंगिक विदेशी घटना नहीं है। ठीक वैसी घटनाएं यहां भी होती रही हैं, जिन पर भारतीय राजनीतिक और बौद्धिक वर्ग की चुनी हुई चुप्पियों और चुने हुए शोर-शराबों से एकतरफा विशेषाधिकार और एकतरफा जुल्म को शह मिलती है। प्रायः अधिकांश इस्लामी विवाद के मामले सदैव अंतरराष्ट्रीय दावा और रंगत रखते हैं। वे किसी देश की सीमाएं नहीं मानते। न किसी संविधान या नैतिकता को।

यह निराशाजनक है कि किसी भारतीय हिंदू नेता, संगठन या बड़े बौद्धिक ने सिवारसा अनोजन को मृत्युदंड सुनाने पर सऊदी अरब से कुछ कहने या अपील करने का भी कष्ट नहीं किया। जबकि यहां सऊदी दूतावास जाकर माननीय राजदूत को एक ज्ञापन, निवेदन देना भी एक प्रभावी काम हो सकता था, मगर भारत में किसी को इतना भी नहीं सूझता। तमाम हिंदुओं ने भी भगवान शिव के अपमान पर क्षोभ से प्रतिक्रियावश कुछ बोल देने वाले हिंदू को नाहक मृत्युदंड देने पर एक शब्द बोलना जरूरी नहीं समझा। यह हिंदू नेताओं की मंद-दृष्टि है। वे ऐसे मामलों का तात्कालिक और दूरगामी राजनीतिक महत्व भी नहीं समझते। यह तब और दुखद लगता है, जब अनेक मुस्लिम भी सिवारसा अनोजन को मृत्युदंड देना अनुचित बता रहे हैं। वहां सिवरासा के लिए बोलने वालों में कुछ पाकिस्तानी, ईरानी बुद्धिजीवी भी हैं, परंतु भारतीय बौद्धिक और नेता ही मौन हैं!

ऐसा रुख न्याय, नैतिकता, राजनीति और सभ्यतागत रक्षा, सभी दृष्टि से अनुचित है। इसलिए भी, क्योंकि सऊदी शासकों के समक्ष रखने के लिए अनेक सहज, संजीदा दलीलें और अकाट्य तथ्य हैं। यदि बड़े और जिम्मेदार हिंदू उन बातों को रखें तो सऊदी शासक भी उसे गंभीरता से लेंगे। वैसे भी वर्तमान सऊदी शासक प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को तुलनात्मक रूप से खुले विचारों का माना जाता है। इसलिए उनके समक्ष हिंदू समाज के बड़े नेताओं, बौद्धिकों द्वारा कोई अपील करना उन्हें भी एक आधार प्रदान करेगा, ताकि वे सजा को निरस्त करने की पहल कर सकें। यह उनके लिए अपनी ओर से करना अभी कठिन हो सकता है। ऐसी पहल का परिणाम चाहे जो हो, हिंदू नेताओं द्वारा उसे करने मात्र से सऊदी और वैश्विक जनमत में सिवारसा मामले पर न्याय करने की भावना बढ़ेगी। इससे भारत में भी हिंदू नेताओं का मान बढ़ेगा। देखा जाए तो सिवारसा ने अपनी ओर से प्रोफेट मोहम्मद की कोई अवमानना नहीं की थी। उसने भगवान शिव पर की गई अभद्र टिप्पणी के उत्तर में ही कुछ लिखा था। यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है कि किसी के प्रिय पर आक्षेप करने वाले के प्रतिकार में आक्षेपी के प्रिय को निशाना बनाना। इसमें यदि दोषी ठहराना है तो शुरुआत करने वाले का दोष पहले बनता है। यह बात कोई भी संजीदा शख्स समझ सकता है और यहां तक कि मुस्लिम भी। एक प्रश्न यह भी है कि धार्मिक मान-सम्मान में एकतरफा रुख क्यों? उस तमिल मुस्लिम पर किसने और क्या कार्रवाई की, जिसने हिंदू तीर्थयात्रियों की पदयात्रा का मजाक बनाया या भगवान शिव पर अपमानजनक टिप्पणी की? निःसंदेह, अभिव्यक्ति की आजादी एकतरफा नहीं हो सकती। न ही विविध धर्मों में केवल एक धर्म का मान-सम्मान। सिवारसा अनोजन प्रसंग पर हिंदू, बौद्ध, ईसाई एवं नास्तिकों के अलावा नेताओं, संस्थानों और बौद्धिकों का उपेक्षापूर्ण रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि ऐसी घटनाएं बार-बार घटती रहती हैं।

-धनंजय राजौरा

कालिका माता मंदिर बालगढ़ में कालीचरण महाराज ने की महाआरती, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर बालगढ़ स्थित कालिका माता मंदिर में महाआरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मां काली के भक्त कालीचरण महाराज ने विधि-विधान से माता की अद्भुत महाआरती की। आरती में क्षेत्र के बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए और माता के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। मंदिर व्यवस्थापक हरिनारायण अकोदिया ने बताया कि नवरात्रि के दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने मां काली की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। बालगढ़ पार्षद दीपक अकोदिया (राजा भैया) ने बताया कि महाआरती में पंडित उमेश, अर्जुन चौधरी एल्डरमैन, दुर्गेश चिल्लोरिया मंडल महामंत्री, रितेश द्विवेदी, हरिनारायण अकोदिया, बहादुर सिंह गुर्जर, अमित सोनगरा, जितेंद्र गर्ग, किशोर अकोदिया, शरद चंद्रावत, अरुण लोदवाल, माखन पटेल, हीरालाल चावन्ड, लखन अकोदिया, संदीप अकोदिया, मोहन मोदी, कन्हैयालाल मोदी, कालू अकोदिया, राहुल चंद्रावत, राकेश चंद्रावत, धनंजय, रुद्र विशाल पुंडकर, संजय विखार, कुलदीप चिल्लोरिया, जीवन चौहान, श्याम चौहान और किशोर जाटवा सहित बड़ी संख्या में माताएं-बहनें एवं गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर लखन अकोदिया ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी हरिनारायण अकोदिया ने दी।

उज्जैन रोड पर वन-वे यातायात व्यवस्था लागू करें, मुख्य मार्गों से हटायें अवैध कट-पॉइंट, एक माह के भीतर करें सड़कों की मरम्मत- कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने जिले की यातायात व्यवस्था, सड़क सुरक्षा, दुर्घटनाओं की रोकथाम, क्षतिग्रस्त मार्गों के संधारण तथा विभिन्न विभागों से संबंधित कानून-व्यवस्था के विषयों, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति संबंधी अपराध, नशा मुक्ति, चिन्हित अपराध, गबन-धोखाधड़ी एवं अवैध खनन सहित अन्य विषयों की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री सिंह ने नवरात्रि पर्व के दौरान देवास स्थित माता टेकरी पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुगम यातायात, व्यवस्थित पार्किंग एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश नगर निगम, परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस को दिए। उन्होंने कहा कि शनिवार एवं रविवार को श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। माताजी की टेकरी पर श्रद्धालुओं को भीड़ एकत्रित न हो, इसके लिए नीचे ही भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने उज्जैन रोड पर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए यातायात जाम के चलते वन-वे यातायात व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि देवास से उज्जैन जाने वाले वाहन निर्धारित मार्ग से जाएंगे तथा उज्जैन से आने वाले वाहनों को अन्य मार्गों से डायवर्ट किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां अतिक्रमण हटाने एवं लाइट शिफ्टिंग की आवश्यकता है, वहां भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी दी। बीते एक माह में कुल 11 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 5 दुर्घटनाएं देवास शहर में तथा 6 दुर्घटनाएं जिले के अन्य क्षेत्रों में हुईं। देवास शहर में एक दुर्घटना पेट्रोल पंप के पास अवैध कट-पॉइंट बनाए जाने के कारण होने की जानकारी पर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित पेट्रोल पंप संचालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने, नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मक्सी बायपास चौराहे पर किए गए अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एवं मध्य प्रदेश सड़क निर्माण नियम (एमपीआरडीसी) के मार्गों पर अवैध कट-पॉइंट चिह्नित कर हटाने तथा आवश्यकता के अनुसार उचित यातायात संकेतक एवं साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठकः जल के विवेकपूर्ण वितरण पर जोर, दतुनी परियोजना के लिए भेजा जाएगा प्रस्ताव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी सीजन 2026-27 में फसलों की सुचारू सिंचाई, नहरों में जल प्रवाह के निर्धारण एवं पेयजल आरक्षण को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में खातेगांव विधायक श्री आशीष शर्मा एवं हाटपीपल्या विधायक श्री मनोज चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने संभाग अंतर्गत स्थित समस्त मध्यम एवं लघु जलाशयों में वर्तमान जल भराव की स्थिति और रबी सिंचाई के लक्ष्यों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस वर्ष जिले की औसत सामान्य वर्षा 1067.08 मिमी की तुलना में 7 अक्टूबर 2026 तक 788.11 मिमी वर्षा ही दर्ज हुई है। विशेष रूप से देवास, टोंकखुर्द एवं सोनकच्छ तहसीलों में अल्प वर्षा के कारण कई तालाब पूर्ण रूप से नहीं भर सके हैं।

उपलब्ध जल की स्थिति की समीक्षा करते हुए समिति द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कुल 27,352 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई लक्ष्य का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। इसके अंतर्गत 2 मध्यम परियोजनाओं (चन्द्रकेशर एवं दतुनी बांध) से 16,000 हेक्टेयर, 40 लघु तालाबों से 4,346 हेक्टेयर, 49 बैराजों से 6,563 हेक्टेयर, 3 पिकअप वियर से 238 हेक्टेयर तथा 5 उद्वहन सिंचाई योजनाओं से 205 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुनिश्चित की जाएगी।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ की वार्षिक साधारण सभा आयोजित, जिला कार्यकारिणी के 9 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनरल सेक्रेटरी, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को शासकीय शहीद चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झाबुआ के ऑडिटोरियम हॉल में भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ के आजीवन सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सारणी के अनुसार जिला समिति के निर्वाचन की कार्यवाही संपन्न कराई गई।

बैठक में भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ के आजीवन सदस्य एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुर्तजा पिता नुरुद्दीन पिटोलवाल, निवासी 14 तुलसी गली, झाबुआ; श्री कमलेश कुमार पिता लुणचंद बम, निवासी पेटलावद रोड, बामनिया; श्री समकित पिता जयन्तीलाल तलेरा, निवासी 121 पेट्रोल पंप कॉलोनी, थांदला; श्री अंकुर पिता राजेन्द्र भंडारी, निवासी लक्ष्मीबाई मार्ग, झाबुआ; श्री पुरुषोत्तम ताम्रकर, निवासी झाबुआ; श्री रमेशचंद्र शर्मा, निवासी झाबुआ; श्री बहादुर पिता नानजी हटिला, निवासी भोयरा, तहसील एवं जिला झाबुआ; श्री नरमा कटारा, निवासी भोयरा, तहसील एवं जिला झाबुआ; श्री जय पिता मनोहरलाल भंडारी, निवासी 60 लक्ष्मीबाई मार्ग, झाबुआ; श्रीमती अंजू पति कमलेश शर्मा, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, झाबुआ; श्री अंतिम पिता स्व. रामेश्वर शर्मा, निवासी रामकृष्ण नगर, झाबुआ तथा श्री मयंक पिता महिपाल रूनवाल, निवासी राधाकृष्ण मार्ग, झाबुआ उपस्थित रहे।

नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के उपरांत 9 अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित-निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उपस्थित आजीवन सदस्यों में से श्री पुरुषोत्तम ताम्रकर, श्री रमेशचंद्र शर्मा एवं श्री नरमा कटारा द्वारा निर्धारित समयावधि में नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं किए गए। वहीं शेष सदस्यों श्री मुर्तजा पिटोलवाल, श्री कमलेश कुमार बम, श्री समकित तलेरा, श्री अंकुर भंडारी, श्री बहादुर हटिला, श्री जय पिता मनोहरलाल भंडारी, श्रीमती अंजू पति कमलेश शर्मा, श्री अंतिम शर्मा एवं श्री मयंक रूनवाल द्वारा निर्धारित समयावधि में नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए गए। निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत श्री कमलेश कुमार पिता लुणचंद बम द्वारा दो नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए थे। इनमें प्रथम नाम निर्देशन पत्र स्वीकृत होने के कारण उनका दूसरा नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया गया। प्रस्तुत नाम निर्देशन पत्रों की विधिवत संवीक्षा की गई, जिसमें शेष सभी 9 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र वैधानिक पाए जाने पर स्वीकृत किए गए।

निर्धारित निर्वाचन समय-सारणी के अनुसार दोपहर 12:45 बजे तक किसी भी अभ्यर्थी द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र वापस नहीं लिया गया। फलस्वरूप सभी 9 अभ्यर्थियों को भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ की कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

कलेक्टर सहित 10 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का गठन- निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ की कार्यकारिणी में कलेक्टर, जिला झाबुआ सहित कुल 10 सदस्य शामिल हैं। इनमें श्री मुर्तजा पिता नुरुद्दीन पिटोलवाल, निवासी 14 तुलसी गली, झाबुआ; श्री कमलेश कुमार पिता लुणचंद बम, निवासी पेटलावद रोड, बामनिया; श्री समकित पिता जयन्तीलाल तलेरा, निवासी 121 पेट्रोल पंप कॉलोनी, थांदला; श्री अंकुर पिता राजेन्द्र भंडारी, निवासी लक्ष्मीबाई मार्ग, झाबुआ; श्री बहादुर पिता नानजी हटिला, निवासी भोयरा, तहसील एवं जिला झाबुआ; श्री जय पिता मनोहरलाल भंडारी, निवासी 60 लक्ष्मीबाई मार्ग, झाबुआ; श्रीमती अंजू पति कमलेश शर्मा, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, झाबुआ; श्री अंतिम पिता स्व. रामेश्वर शर्मा, निवासी रामकृष्ण नगर, झाबुआ तथा श्री मयंक पिता महिपाल रूनवाल, निवासी राधाकृष्ण मार्ग, झाबुआ शामिल हैं।

उपाध्यक्ष, सभापति, कोषाध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि का निर्वाचन निर्धारित समय-सारणी अनुसार होगा - भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा झाबुआ की गठित 10 सदस्यीय कार्यकारिणी में से उपाध्यक्ष, सभापति, कोषाध्यक्ष तथा राज्य स्तर हेतु जिला प्रतिनिधि का निर्वाचन निर्धारित समय-सारणी एवं नियमानुसार संपन्न कराया जाएगा।

कलेक्टर ने आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी और राशन सामग्री की अफरा-तफरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने जिले में गेहूं, एलपीजी, शक्कर, नमक सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी, जमाखोरी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को वितरित की जाने वाली शासकीय राशन सामग्री की अफरा-तफरी एवं व्यपवर्तन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत अधिसूचित आवश्यक वस्तुओं से संबंधित नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पात्र हितग्राहियों को रियायती दर पर अथवा निःशुल्क वितरित की जाने वाली शासकीय राशन सामग्री का व्यपवर्तन, अफरा-तफरी या खुर्द-बुर्द किया जाना दंडनीय है। ऐसे मामलों में संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार अभियोजन की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में उपलब्ध भौतिक स्टॉक और पीओएस मशीन में प्रदर्शित स्टॉक के अंतर को समाप्त करने के लिए ऑनलाइन भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराई जा चुकी है। इसका उद्देश्य दुकानों में उपलब्ध राशन सामग्री का सही हिसाब सुनिश्चित करना तथा पात्र परिवारों के लिए आवश्यकतानुसार राशन का आवंटन और वितरण सुचारू रूप से करना है।

इसके बावजूद कुछ उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं, प्रबंधकों एवं संचालकों द्वारा ऑनलाइन भौतिक सत्यापन पूर्ण होने के बाद भी बार-बार खाद्यान्न एवं राशन सामग्री की अफरा-तफरी किए जाने के मामले सामने आए हैं। इस प्रकार की गतिविधियां राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के उद्देश्यों तथा पात्र परिवारों की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। शासन की प्राथमिकता है कि पात्र हितग्राहियों को उनके लिए निर्धारित राशन सामग्री वास्तविक रूप से उपलब्ध हो और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति बनी रहे।

गंभीर मामलों में दोषियों को निरुद्ध करने की भी होगी कार्रवाई- आदेश में उल्लेख किया गया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आवंटित राशन सामग्री के परिवहन, भंडारण अथवा वितरण के दौरान उसका व्यपवर्तन करने से आम नागरिकों के लिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होती है। ऐसे मामलों में चोरबाजारी निवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम, 1980 के अंतर्गत भी कार्रवाई का प्रावधान है। उक्त अधिनियम की धारा 3(1) के तहत आवश्यक वस्तुओं की सतत आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को ऐसी गतिविधियों से रोकने के लिए आवश्यक परिस्थितियों में निरुद्ध करने के आदेश पारित किए जा सकते हैं। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट को भी इस संबंध में कार्रवाई करने की शक्ति प्राप्त है।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए हैं कि अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत की जाने वाली कार्रवाई के साथ-साथ शासकीय राशन सामग्री के गंभीर व्यपवर्तन एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित करने के मामलों में संबंधित दोषियों के विरुद्ध चोरबाजारी निवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम, 1980 के अंतर्गत भी प्रभावी कार्रवाई की जाए। आवश्यक परिस्थितियों में दोषियों को निरुद्ध करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए, जिससे ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगे और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे।

विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतु समुदाय के लिए विशेष शिविर संपन्न

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतु समुदाय के परिवारों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में तहसील स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में बुधवार को विदिशा तहसील एवं गुलाबगंज तहसील में विशेष शिविर आयोजित किए गए।

शिविरों में समुदाय के लोगों की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें दस्तावेज एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल की गई। शिविर में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतु समुदाय के लोगों से जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। इसके साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पात्र हितग्राहियों की जानकारी लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। शिविर के दौरान मौके पर ही 12 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे पात्र परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों एवं संबंधित विभाग के मैदानी अमले ने समुदाय के लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने से हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। शिविरों का उद्देश्य ऐसे परिवारों तक शासन की सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है, जो दस्तावेजों के अभाव अथवा अन्य कारणों से अब तक योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रहे हैं।

मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत नाटक, गीत एवं संवाद के माध्यम से दिया नशामुक्ति का संदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार एवं प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्रीमती हेलन वसुनिया के मार्गदर्शन में मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्थानों पर नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय कलापथक दल एवं अशासकीय व्यवस्था कलामंडली पिपलिया के संयुक्त तत्वावधान में राणापुर, मेघनगर, पारा, खरडूबड़ी, कुंदनपुर, कल्याणपुरा एवं झाबुआ सहित विभिन्न स्थानों पर 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश दिया गया।

कार्यक्रमों के दौरान नुक्कड़ नाटक, प्रेरक गीत, संवाद एवं शपथ के माध्यम से आमजन को शराब, गुटखा, धूम्रपान एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कलाकारों ने बताया कि नशा एक धीमा जहर है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ उसकी स्मरण शक्ति, सोचने-समझने की क्षमता एवं पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

जागरूकता कार्यक्रमों में बताया गया कि नशामुक्ति के लिए व्यक्ति का दृढ़ संकल्प, परिवार का सहयोग, सकारात्मक वातावरण एवं उचित परामर्श अत्यंत आवश्यक है। नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए अपनी समस्या को स्वीकार कर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेने तथा आवश्यकता पड़ने पर नशामुक्ति केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। साथ ही नशामुक्ति संबंधी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 14446 की जानकारी भी प्रदान की गई।

विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से स्कूलों, महाविद्यालयों एवं हाट-बाजारों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्त परिवार एवं समाज के निर्माण में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया।

विभिन्न स्थानों पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रोचक नुक्कड़ नाटक, गीत एवं संवाद को आमजन ने सराहा। कार्यक्रमों में उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति का संकल्प भी दिलाया गया।

गोवंश वध प्रकरण में जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई, चार व्यक्तियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत निरोध आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मेघनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेडावली से लगी वन भूमि पर 08 अक्टूबर 2026 को हुई गोवंश वध की घटना के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ से प्राप्त प्रतिवेदन एवं प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए चार व्यक्तियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 की उपधारा (2) के अंतर्गत तीन माह की अवधि के लिए निरोध आदेश जारी किए हैं।

पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार 08 अक्टूबर 2026 को ग्राम बेडावली से लगी वन भूमि पर गोवंश वध की घटना सामने आई थी। घटनास्थल से मृत गोवंश, रक्त लगा हुआ कुल्हाड़ा एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस द्वारा पंचों की उपस्थिति में ई-साक्ष्य एप के माध्यम से वीडियोग्राफी कर सामग्री जब्त की गई। घटना की सूचना क्षेत्र में फैलने के बाद मेघनगर में तनाव एवं अशांति की स्थिति निर्मित हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने, विरोध प्रदर्शन एवं मार्ग अवरुद्ध किए जाने से आमजन की आवाजाही तथा बाजार एवं व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हुईं।

पुलिस प्रतिवेदन में संबंधित व्यक्तियों की कथित आपराधिक गतिविधियों, पूर्व में पंजीबद्ध प्रकरणों तथा लोक व्यवस्था एवं शांति पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव का उल्लेख किया गया। जिला दण्डाधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों का परीक्षण करने के उपरांत लोक व्यवस्था तथा सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई किए जाने का पर्याप्त आधार पाया गया।

इन चार व्यक्तियों के विरुद्ध जारी किए गए निरोध आदेश- जिला दण्डाधिकारी डॉ. भरसट द्वारा राजेश पिता नारसिंह मचार, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम बेडावली, थाना मेघनगर, विशाल पिता राजेश डामोर, उम्र 29 वर्ष, निवासी आवास कॉलोनी मेघनगर, कालू पिता जोसिंग भूरिया, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम छोटा घोसलिया, थाना मेघनगर तथा मानसिंह पिता दल्ला हटिला, उम्र 25 वर्ष, निवासी कत्था फैक्ट्री के पास मेघनगर, थाना मेघनगर, जिला झाबुआ के विरुद्ध पृथक-पृथक निरोध आदेश जारी किए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त चारों व्यक्तियों को आदेश दिनांक से तीन माह की अवधि तक निरोध में रखे जाने के आदेश दिए हैं। आदेशानुसार चारों व्यक्तियों को केंद्रीय जेल, इंदौर (म.प्र.) में निरुद्ध रखा जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा लोक शांति, कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के दृष्टिगत यह कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर डॉ. भरसट की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में बुधवार को विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्युत की मांग, आपूर्ति एवं लोड शेडिंग की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्युत कटौती के दौरान आमजन को होने वाली असुविधाओं को न्यूनतम रखने तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में वर्ष 2025 में प्रतिदिन विद्युत की मांग लगभग 100 मेगावाट थी, जो वर्तमान वर्ष में बढ़कर 150 मेगावाट हो गई है। इसी प्रकार राज्य में इस वर्ष प्रतिदिन विद्युत की मांग लगभग 15 हजार मेगावाट है। विद्युत उत्पादन एवं मांग में अंतर होने के कारण लोड शेडिंग के माध्यम से विद्युत आपूर्ति का प्रबंधन किया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लोड शेडिंग के लिए निर्धारित समय-सीमा से अधिक विद्युत कटौती किसी भी स्थिति में नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि से अधिक विद्युत कटौती होने पर उपभोक्ता विद्युत विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने सभी इंजीनियरों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं के फोन कॉल अनिवार्य रूप से रिसीव करें तथा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता से समाधान सुनिश्चित करें।

बैठक में बताया गया कि 13 अक्टूबर को शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे के मध्य जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर लोड शेडिंग के अंतर्गत विद्युत कटौती की गई थी, जिसकी अवधि किसी भी स्थान पर एक घंटे से अधिक नहीं रही। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लोड शेडिंग की अवधि में सभी जूनियर इंजीनियर अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं पर तत्काल प्रतिक्रिया देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने इस अवधि में जूनियर इंजीनियरों को अवकाश नहीं लेने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) से वन-टू-वन चर्चा कर उनके क्षेत्रों में विद्युत कटौती के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्युत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

पेयजल के लिए आरक्षित जल का अनधिकृत सिंचाई में उपयोग रोकने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर ने जिले में कम वर्षा की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल के लिए आरक्षित जल के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल के लिए आरक्षित जल का कपास एवं धान जैसी फसलों की सिंचाई में अनधिकृत रूप से उपयोग नहीं होने दिया जाए। इसके लिए संबंधित एसडीएम को दल गठित कर निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने जिले के सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की कि विद्युत उत्पादन एवं मांग में अंतर के कारण की जा रही लोड शेडिंग के दौरान धैर्य बनाए रखें तथा विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाए रखने में प्रशासन एवं विद्युत विभाग को सहयोग प्रदान करें।

इस दौरान मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण यंत्री श्री धर्मेन्द्र राजपूत एवं संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथी पर सवार होकर आईं माँ दुर्गा, चरणायुध पर होगा प्रस्थान; जानिए इस बार के नवरात्रि का विशेष महत्व

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक आस्था, शक्ति उपासना और शुभ संकेतों के बीच शुरू हुए शारदीय नवरात्रि; माँ के वाहन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्सुकताभारतीय सनातन संस्कृति में शारदीय नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना, आत्मशुद्धि, साधना और धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। वर्ष 2026 के शारदीय नवरात्रि इस बार 11 अक्टूबर, रविवार से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर, मंगलवार को विजयादशमी के साथ संपन्न होंगे। इन नौ दिनों में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। देशभर के मंदिरों, शक्तिपीठों और घरों में घटस्थापना, अखंड ज्योत, दुर्गा सप्तशती का पाठ, भजन-कीर्तन और कन्या पूजन के माध्यम से भक्त माँ जगदम्बा की आराधना कर रहे हैं। शारदीय नवरात्रि को हिंदू धर्म के प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण पर्वों में गिना जाता है।इस बार नवरात्रि विशेष क्यों हैं?

वर्ष 2026 के नवरात्रि की विशेष धार्मिक चर्चा माँ दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहन को लेकर हो रही है। प्रचलित धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्रि किस वार से प्रारंभ होते हैं, उसके आधार पर देवी के आगमन के वाहन का निर्धारण किया जाता है। इस बार नवरात्रि रविवार को प्रारंभ होने के कारण माँ दुर्गा का आगमन हाथी पर माना गया है। वहीं, मंगलवार को विजयादशमी होने के कारण देवी के प्रस्थान का वाहन चरणायुध बताया गया है, जिसे कई धार्मिक व्याख्याओं में मुर्गे से जोड़ा जाता है।हिंदू धर्म में माँ दुर्गा के प्रत्येक स्वरूप और उनके वाहन का अपना आध्यात्मिक महत्व है। हाथी को ऐश्वर्य, स्थिरता, समृद्धि, धैर्य और वर्षा का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण धार्मिक मान्यताओं में माँ का हाथी पर आगमन शुभ संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। हालाँकि, ये पारंपरिक धार्मिक मान्यताएँ हैं, न कि मौसम, अर्थव्यवस्था या भविष्य की घटनाओं की वैज्ञानिक गारंटी।

माँ दुर्गा की सवारी क्या संकेत देती है- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माँ दुर्गा का हाथी पर आगमन धन-धान्य की वृद्धि, अच्छी वर्षा, कृषि में उन्नति और जनजीवन में सुख-समृद्धि की कामना से जोड़ा जाता है। हाथी अपनी विशालता, गंभीरता और स्थिर स्वभाव के कारण शक्ति तथा धैर्य का प्रतीक भी माना जाता है।कृषि प्रधान भारत में हाथी पर माँ के आगमन की चर्चा किसानों के बीच विशेष उत्सुकता उत्पन्न करती है। किसान अच्छी वर्षा, पर्याप्त जलसंचय, फसलों की अच्छी पैदावार और परिवार की आर्थिक खुशहाली की कामना करते हैं। धार्मिक दृष्टि से यह समय प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा धरती, जल और अन्न के महत्व को समझने का भी अवसर है।

दूसरी ओर, चरणायुध पर देवी के प्रस्थान को लेकर विभिन्न धार्मिक व्याख्याएँ मिलती हैं। कुछ मान्यताएँ इसे सावधानी, चुनौतियों और परिस्थितियों के प्रति सजग रहने का प्रतीक मानती हैं। लेकिन केवल देवी के वाहन के आधार पर किसी वर्ष को संकटपूर्ण या अत्यंत शुभ घोषित करना उचित नहीं होगा।

आम जनता के लिए कैसा रहेगा वर्ष 2026- नवरात्रि के अवसर पर हर श्रद्धालु के मन में यह प्रश्न उठता है कि माँ दुर्गा का आगमन आम जनता, व्यापारियों, किसानों, युवाओं और परिवारों के लिए क्या संदेश लेकर आया है।

आम जनता के लिए- माँ दुर्गा का हाथी पर आगमन धार्मिक परंपरा में सुख, शांति, स्थिरता और समृद्धि की मंगलकामना से जोड़ा जाता है। यह पर्व परिवारों में प्रेम, सामाजिक सहयोग और सकारात्मक सोच को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

किसानों के लिए- हाथी को वर्षा और कृषि समृद्धि से जोड़ने वाली मान्यता के कारण इस बार किसानों में अच्छी बारिश और अच्छी फसल की आशा की चर्चा हो सकती है। वास्तविक फसल का भविष्य मानसून, मिट्टी की स्थिति, सिंचाई, बीज, लागत और बाजार भाव जैसे कारकों पर निर्भर करेगा।

व्यापारियों और रोजगार से जुड़े लोगों के लिए- नवरात्रि आत्मविश्वास, अनुशासन और नई शुरुआत का संदेश देती है। धार्मिक आस्था के साथ उचित योजना, मेहनत, बचत और विवेकपूर्ण निर्णय आर्थिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

युवाओं और विद्यार्थियों के लिए- माँ दुर्गा के नौ स्वरूप साहस, ज्ञान, धैर्य, साधना और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देते हैं। विद्यार्थियों और युवाओं के लिए यह समय अपने संकल्पों को मजबूत करने तथा अनुशासित जीवन अपनाने का अवसर है।

यह स्पष्ट समझना आवश्यक है कि नवरात्रि की सवारी के आधार पर पूरे वर्ष के सुख-दुःख, वर्षा, रोजगार, महँगाई या आर्थिक स्थिति का निश्चित पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। धार्मिक मान्यताएँ आशा और आस्था प्रदान करती हैं, जबकि वास्तविक परिस्थितियाँ अनेक व्यावहारिक कारणों से प्रभावित होती हैं।

माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना का महत्व- नवरात्रि के नौ दिन माँ शैलपुत्री, माँ ब्रह्मचारिणी, माँ चंद्रघंटा, माँ कूष्मांडा, माँ स्कंदमाता, माँ कात्यायनी, माँ कालरात्रि, माँ महागौरी और माँ सिद्धिदात्री को समर्पित माने जाते हैं।

इन नौ स्वरूपों की पूजा के माध्यम से भक्त जीवन में शक्ति, तपस्या, साहस, स्वास्थ्य, मातृत्व, धर्मरक्षा, निर्भयता, पवित्रता और सिद्धि जैसे गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। नवरात्रि में व्रत, जप, ध्यान, दुर्गा सप्तशती पाठ, सेवा, दान और कन्या पूजन की परंपरा प्रचलित है।

माँ दुर्गा की आराधना का वास्तविक उद्देश्य केवल मनोकामना पूर्ति नहीं, बल्कि अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार, क्रोध और अन्याय की प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करना भी है।

नवरात्रि का सामाजिक और आध्यात्मिक संदेश- शारदीय नवरात्रि केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक एकता का भी पर्व है। गुजरात में गरबा और डांडिया, बंगाल में दुर्गा पूजा, उत्तर भारत में रामलीला तथा मध्य भारत में देवी मंदिरों में विशेष अनुष्ठान इस पर्व की विविधता को दर्शाते हैं।

माँ दुर्गा की उपासना नारी शक्ति के सम्मान, अन्याय के विरोध, कमजोर वर्गों की सहायता और समाज में सद्भाव बनाए रखने का संदेश देती है। आज के समय में नवरात्रि की सार्थकता इसी में है कि श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ जरूरतमंदों की सहायता करें, महिलाओं का सम्मान करें, पर्यावरण की रक्षा करें और समाज में प्रेम तथा भाईचारे को बढ़ावा दें।

विजयादशमी के साथ होगा पर्व का समापन- 20 अक्टूबर 2026 को विजयादशमी के अवसर पर नवरात्रि पर्व का समापन होगा। यह दिन बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम की रावण पर विजय तथा माँ दुर्गा की महिषासुर पर विजय की धार्मिक कथाएँ इस पर्व के मूल संदेश को प्रकट करती हैं।

विजयादशमी हमें सिखाती है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य, साहस, संयम और धर्म के मार्ग पर चलते हुए सफलता प्राप्त की जा सकती है।

निष्कर्षवर्ष 2026 के शारदीय नवरात्रि में हाथी पर माँ दुर्गा के आगमन की धार्मिक मान्यता श्रद्धालुओं के लिए सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और जनकल्याण की आशा का प्रतीक है। देवी के प्रस्थान से जुड़ी मान्यताएँ भी हमें सजगता, विवेक और धैर्य के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं।

माँ जगदम्बा से यही प्रार्थना है कि देश में सुख-शांति बनी रहे, किसानों के खेतों में हरियाली आए, युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें, व्यापार और उद्योग प्रगति करें तथा प्रत्येक परिवार में स्वास्थ्य, सद्भाव और खुशहाली का वास हो।

'जय जोहार' बोलने पर आदिवासी छात्र कार्यकर्ताओं से कथित अभद्रता, जयस ने सौंपा ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर आदिवासी छात्र कार्यकर्ताओं के साथ कथित अभद्रता एवं अपमानजनक व्यवहार के मामले में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बदनावर के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर संबंधित पुलिस अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 13 अक्टूबर 2026 को भोपाल में गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन (त्रस) द्वारा आयोजित 'मुख्यमंत्री निवास घेराव' कार्यक्रम के दौरान रोशनपुरा चौराहे पर ड्यूटी में तैनात एक पुलिस निरीक्षक द्वारा आदिवासी छात्र कार्यकर्ताओं के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि छात्र कार्यकर्ताओं द्वारा अपने पारंपरिक अभिवादन 'जय जोहार' बोलने पर उनके साथ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया तथा उन्हें पुलिस वाहन में बैठाकर हिरासत में लिया गया। जयस संगठन ने इस घटना को आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठन का कहना है कि 'जय जोहार' केवल अभिवादन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और गौरव का प्रतीक है। किसी भी नागरिक के साथ उसकी सांस्कृतिक पहचान एवं पारंपरिक अभिवादन के कारण अपमानजनक व्यवहार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में जयस पदाधिकारी ने संबंधित पुलिस अधिकारी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने, घटना से जुड़े वीडियो साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने की मांग की। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित आयोगों एवं न्यायालय के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की जाएगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जयस अध्यक्ष राहुल गिरवाल, कार्यकारी अध्यक्ष ओंकारलाल भाभर, उपाध्यक्ष मनीष डामर, जिला महामंत्री विक्रम भाभर, कमलेश जी सिंगार सहित जयस संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जयस मीडिया प्रभारी अर्जुन मुनिया द्वारा दी गई।

कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया का जन्मदिन देपालपुर विधानसभा में धूमधाम से मनाया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करणी सेना परिवार इंदौर के जिला अध्यक्ष कुंवर ऋषिराज सिंह जी सिसोदिया का जन्मदिन पूरे देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हातोद, ऊषापुरा, देपालपुर, बेटमा, बिल्लौद सहित अनेक स्थानों पर समर्थकों एवं करणी सेना परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न आयोजन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर एकत्रित होकर लोगों ने कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे विधानसभा क्षेत्र में हुए आयोजनों से कार्यकर्ताओं में एकजुटता और संगठन के प्रति समर्पण का भाव दिखाई दिया। कुंवर ऋषिराज सिंह सिसोदिया करणी सेना परिवार इंदौर के जिला अध्यक्ष, एवं देपालपुर विधानसभा से विधायक उम्मीदवार के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उनके जन्मदिन को लेकर देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और नगरों में समर्थकों के बीच विशेष उत्साह रहा। इस अवसर पर करणी सेना परिवार के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यकर्ताओं ने मां करणी से प्रार्थना की कि उनका मार्गदर्शन सदैव मिलता रहे और वे समाज एवं संगठन के हित में निरंतर कार्य करते रहें।

देपालपुर में NSUI की बैठक संपन्न

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छात्र संगठन की मजबूती, विद्यार्थियों की समस्याओं और संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि NSUI के पूर्व जिला अध्यक्ष रजत सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि हस्द्ध के पूर्व प्रदेश महासचिव नरेन्द्र मकवाना उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता NSUI के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप मुकाती ने की। बैठक को विशाल राणा, नरेन्द्र सिंह राजपूत, हरिओम नरवालिया एवं योगेश जिरात ने संबोधित करते हुए छात्र हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने और संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा भागीरथ सिलावट महाविद्यालय की हस्द्ध की नवीन कार्यकारिणी को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। वक्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए छात्र-छात्राओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अनुभव नकुम ने किया तथा आभार विकास जाधव ने माना। बैठक के माध्यम से NSUI ने छात्र हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया। तिलक यादव. मोहित ठाकुर .लोकेश गुर्जरवाडिया शिवानी नगर चेतना अभिषेक और छात्र छात्रा मौजूद रहे।

धर्मनिष्ठा, त्याग और सेवाभाव की प्रतिमूर्ति थीं श्रद्धेय तेजकुंवर बाई काश्यप

काश्यप विद्यापीठ में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भावभीनी श्रद्धांजलि, जीवन मूल्यों को किया नमन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। काश्यप विद्यापीठ के संचालक ट्रस्ट श्री अशोक कुमार काश्यप जैन ट्रस्ट की संस्थापक ट्रस्टी, प्रखर समाजसेवी एवं मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप की पूज्य माता श्री श्रद्धेय श्रीमती तेजकुंवर बाई काश्यप (85 वर्ष) का गत 11 अक्टूबर 2026 को मुंबई में देवलोकगमन हो गया। उनके निधन से समाज ने एक ऐसी पुण्यात्मा को खो दिया है, जिनका संपूर्ण जीवन धर्मनिष्ठा, त्याग, तपस्या और जनसेवा को समर्पित था। पूज्य माताजी की पावन स्मृति में 14 अक्टूबर 2026, बुधवार को काश्यप विद्यापीठ परिसर में एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था परिवार, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने नम आँखों से उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने माताजी के प्रेरणादायी जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। मात्र 21 वर्ष की अल्पायु में पति के निधन के पश्चात, उन्होंने अदम्य साहस, धैर्य और आत्मबल का परिचय देते हुए पारिवारिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। विपरीत परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपनी संतानों को उच्च संस्कार, धर्मपरायणता और सेवाभाव की प्रेरणा दी। उनका पूरा जीवन करुणा, परोपकार और उच्च नैतिक मूल्यों का अनुपम उदाहरण रहा है। स्वर्गीय तेजकुंवर बाई काश्यप ने अपने जीवनकाल में समाज कल्याण के कई प्रकल्पों को गति दी। जरूरतमंद परिवारों के पुनर्वास, महिला स्वावलंबन, कौशल प्रशिक्षण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी संस्थाओं के माध्यम से उन्होंने समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका वात्सल्यपूर्ण व्यक्तित्व, सादगी और दृढ़ संकल्प सदैव भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्राचार्या श्रीमती नंदा व्यास एवं समन्वयक विपिन जैन ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विद्यार्थियों को माताजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। शिक्षिका यामिनी वर्मा एवं निलेश्वरी पंवार ने भावपूर्ण प्रार्थना प्रस्तुत की। इसके अलावा सुनीता वर्मा, राघवेन्द्र सिंह सिकरवार एवं पवन पाटोदी ने माताजी के जीवन मूल्यों और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक श्री रवीन्द्र शर्मा ने किया। अंत में समस्त काश्यप विद्यापीठ परिवार ने शोक-संतप्त काश्यप परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

देपालपुर में कल सजेगी भव्य भजन संध्या, राजस्थान के प्रसिद्ध गायक छोटू सिंह रावणा देंगे प्रस्तुति

पार्षद अनिल धाकड़ मित्र मंडल करा रहा आयोजन, नगर परिषद अध्यक्ष पद की दावेदारी के बीच धार्मिक आयोजन को लेकर चर्चाएं तेज

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में धार्मिक आयोजनों के साथ राजनीतिक गतिविधियां भी अब धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगी हैं। इसी बीच 16 अक्टूबर, शुक्रवार को लोहार पट्टी, देपालपुर में भव्य भजन संध्या का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायक छोटू सिंह रावणा एवं शशांक तिवारी कुंदनपुर अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। इस कार्यक्रम मे जबरेश्वर सेना संरक्षण राजेंद्र चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन पार्षद अनिल धाकड़ मित्र मंडल द्वारा किया जा रहा है, जबकि निवेदक जबरेश्वर सेना देपालपुर है।

भक्ति संगीत से सजेगी भजन संध्या- आयोजकों के अनुसार भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक छोटू सिंह रावणा अपनी विशेष गायन शैली में भजनों की प्रस्तुति देंगे। राजस्थान में अपनी अलग पहचान रखने वाले छोटू सिंह रावणा की प्रस्तुति को लेकर श्रोताओं में उत्साह रहने की उम्मीद है। उनके साथ शशांक तिवारी कुंदनपुर भी भजनों की प्रस्तुति देंगे। धार्मिक संगीत से सजी इस शाम में श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डूबने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम को लेकर जारी प्रचार सामग्री के माध्यम से लोगों तक आयोजन की जानकारी पहुंचाई जा रही है। आयोजक मंडल द्वारा कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। नगर में इस आयोजन को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

धार्मिक आयोजन के बीच सियासी चर्चाएं भी तेज- भजन संध्या को लेकर धार्मिक उत्साह के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इसकी एक प्रमुख वजह पार्षद अनिल धाकड़ की देपालपुर नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए सामने आ रही दावेदारी है। नगर परिषद के चुनाव भले ही अगले वर्ष होने हैं, लेकिन नगर में अभी से राजनीतिक समीकरणों, संभावित दावेदारों और उनकी सक्रियता को लेकर चर्चाएं होने लगी हैं।

ऐसे में पार्षद अनिल धाकड़ मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस भव्य भजन संध्या को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में ही नहीं, बल्कि नगर की बदलती राजनीतिक गतिविधियों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि आयोजन का घोषित उद्देश्य भजन संध्या है, लेकिन इसके साथ जुड़ी राजनीतिक चर्चाओं ने नगर में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

चुनाव अगले साल, लेकिन माहौल अभी से बनने लगा- देपालपुर नगर परिषद के आगामी चुनावों में अभी समय है, लेकिन संभावित दावेदारों की सक्रियता और सार्वजनिक आयोजनों को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं। नगर में राजनीतिक रूप से सक्रिय नेताओं की गतिविधियों पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। ऐसे में आने वाले समय में धार्मिक, सामाजिक और जनसंपर्क से जुड़े आयोजनों के जरिए राजनीतिक हलचल और बढ़ने की संभावना है।

विद्यार्थियों से संवाद कर उनके सपनों, समस्याओं एवं भविष्य की संभावनाओं पर हुई चर्चा

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कॉफी विद सीईओ जिला पंचायत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अर्पित गुप्ता ने विद्यार्थियों के साथ सहज एवं आत्मीय वातावरण में संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों, रुचियों, भविष्य के लक्ष्यों एवं विद्यालय से जुड़ी अपेक्षाओं पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, होलिस्टिक लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास, करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व निर्माण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

चिकलोड़ा पंचायत तालाब मामला: 10 महीने बाद प्रारंभिक जांच में शिकायत सही, अब एसडीएम के फैसले का इंतजार

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 1925 से 1958-59 तक के राजस्व रिकॉर्ड में तालाब की भूमि होने के प्रमाण; क्रय-विक्रय के बाद पटवारी द्वारा भूमि को निजी मद की बताते हुए नामांतरण की कार्रवाई प्रस्तावित करने पर उठे सवाल।

देपालपुर देपालपुर तहसील के ग्राम चिकलोड़ा स्थित पंचायत तालाब की शासकीय भूमि का मामला अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। शिकायत के करीब 10 महीने बाद नायब तहसीलदार आनंद जायसवाल की प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने की जानकारी सामने आई है। जांच के बाद संपूर्ण प्रकरण की फाइल आगामी कार्रवाई के लिए एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा को प्रेषित कर दी गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि ऐतिहासिक राजस्व रिकॉर्ड में तालाब की भूमि दर्ज होने के बावजूद बाद के वर्षों में हुए सर्वे विभाजन, क्रय-विक्रय और नामांतरण की प्रक्रिया की गहराई से जांच होगी या नहीं।

1925 से 1958-59 तक के रिकॉर्ड में तालाब की भूमि होने का उल्लेख - प्रारंभिक जांच के दौरान वर्ष 1925 से लेकर 1958-59 तक के राजस्व अभिलेखों का परीक्षण किया गया। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, संबंधित भूमि का ऐतिहासिक रिकॉर्ड तालाब की भूमि होने की ओर संकेत करता है। ऐसे में भूमि के मूल स्वरूप और बाद के राजस्व रिकॉर्ड में हुए बदलावों की जांच महत्वपूर्ण हो जाती है। मामले में पहले सामने आई जानकारी के अनुसार, ग्राम चिकलोड़ा के मूल शासकीय सर्वे नंबर 22 की भूमि पंचायत तालाब के नाम दर्ज होने की बात कही गई है। आरोप है कि बाद में इस भूमि को विभाजित कर नए सर्वे नंबर बनाए गए और निजी व्यक्तियों के नाम पर प्रविष्टियां दर्ज की गईं। इन भूखंडों के क्रय-विक्रय की प्रक्रिया भी सामने आई है।

क्रय-विक्रय के बाद नामांतरण की कार्रवाई प्रस्तावित करने पर उठे सवाल- इस पूरे मामले का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि क्रय-विक्रय के बाद पटवारी संबंधित भूमि को निजी मद की बताते हुए नामांतरण की कार्रवाई प्रस्तावित कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब पुराने राजस्व रिकॉर्ड में भूमि तालाब की बताई जा रही है, तो बाद के अभिलेखों में उसे निजी भूमि के रूप में दर्ज किए जाने का आधार क्या है? संबंधित भूमि का स्वरूप किस आदेश या प्रक्रिया के तहत बदला गया? मूल सर्वे नंबर से नए सर्वे नंबरों का विभाजन किसकी अनुमति से हुआ? और यदि भूमि का क्रय-विक्रय हुआ है, तो उस समय किन राजस्व अभिलेखों एवं दस्तावेजों को आधार बनाया गया। इन सभी बिंदुओं की जांच के बिना मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट होना मुश्किल है। निजी मद में दर्ज होने और नामांतरण प्रस्तावित किए जाने के संबंध में संबंधित राजस्व अधिकारियों का पक्ष तथा उनके पास उपलब्ध दस्तावेज सामने आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

क्या मूल रिकॉर्ड से लेकर रजिस्ट्री तक होगी कड़ी-दर-कड़ी जांच?- अब संपूर्ण प्रकरण एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा के समक्ष पहुंचने के बाद प्रशासन की अगली कार्रवाई महत्वपूर्ण हो गई है। पूरे मामले में केवल वर्तमान राजस्व प्रविष्टियों को देखकर निर्णय लेने के बजाय मूल रिकॉर्ड, सर्वे नंबरों के विभाजन, नामांतरण आदेशों और क्रय-विक्रय से जुड़े दस्तावेजों का आपस में मिलान करना जरूरी होगा।

प्रमुख सवाल यह हैं– मूल सर्वे नंबर 22 का भूमि रिकॉर्ड क्या कहता है?

तालाब की भूमि के विभाजन और नए सर्वे नंबर बनाने का आधार क्या था?

भूमि निजी मद में किस प्रक्रिया के तहत दर्ज हुई?

क्रय-विक्रय के बाद पटवारी किस आधार पर नामांतरण प्रस्तावित कर रहे हैं?

क्या संबंधित अधिकारियों के आदेशों और अभिलेखों की भी जांच होगी?

यदि अनियमितता प्रमाणित होती है, तो भूमि के मूल स्वरूप और राजस्व रिकॉर्ड को लेकर क्या वैधानिक कार्रवाई की जाएगी?

इन सवालों के जवाब जांच की दिशा और प्रशासनिक कार्रवाई को स्पष्ट कर सकते हैं।

अब एसडीएम के निर्णय पर टिकी निगाहें- करीब 10 महीने बाद प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने की जानकारी सामने आने और फाइल एसडीएम तक पहुंचने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई का इंतजार है। अब देखना होगा कि एसडीएम पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के निर्देश देते हैं या उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई करते हैं। यदि जांच में शासकीय तालाब की भूमि के विभाजन, निजी प्रविष्टियों अथवा नामांतरण प्रक्रिया में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा अभिलेखों में सुधार सहित अन्य वैधानिक कदम उठाए जा सकते हैं।चिकलोड़ा पंचायत तालाब का यह मामला अब केवल भूमि के स्वामित्व का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि पुराने राजस्व रिकॉर्ड और वर्तमान प्रविष्टियों के बीच अंतर की जांच से भी जुड़ गया है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें एसडीएम के निर्णय पर हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन कथित अनियमितताओं की तह तक पहुंचकर भूमि के मूल स्वरूप और राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति स्पष्ट करने के लिए क्या कदम उठाता है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अमित अडावदकर पिता रविंद्र अडावदकर निवासी महाराष्ट्र मंडल कल्याण धाम कॉलोनी नागदा जिला उज्जैन मेरी पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम मनस्वी हंडियेकर पिता रविंद्र हंडियेकर दर्ज हो गया है जो कि त्रुटि पूर्ण है जबकि उसकी अंक सूची जन्म प्रमाण पत्र अन्य शासकीय अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम मनस्वी अडावदकर पिता अमित अड़ावादकर है जो सही है।प्रकाशन उपरांत उसे उसके सही नाम मनस्वी अडावदकर पिता अमित अडावदकर के नाम से जानी पहचानी जाएगी।

भवदीय – अमित अडावदकर पिता रविंद्र अडावदकर निवासी महाराष्ट्र मंडल कल्याण धाम कॉलोनी नागदा जिला उज्जैन

सिविल अस्पताल बदनावर की व्यवस्थाओं की जांच आगे बढ़ाने के लिए मोहित कुमार पांचाल ने धार में दर्ज कराए बयान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 202 के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर मोहित कुमार पांचाल ने आज जिला धार में स्वास्थ्य विभाग के समक्ष अपने कथन दर्ज कराए। उनका कहना है कि जांच को आगे बढ़ाकर अस्पताल की व्यवस्थाओं से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण पहलू की निष्पक्षता से पड़ताल की जानी चाहिए, ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

प्राप्त आधिकारिक पत्र के अनुसार, कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तीसगांव, जिला धार द्वारा पत्र क्रमांक जांच-शिकायत/2026/653, दिनांक 12 अक्टूबर 2026 जारी कर मोहित कुमार पांचाल को 14 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 3 बजे जांच एवं कथन के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। यह पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला धार के पत्र क्रमांक शिकायत/2026/20992, दिनांक 21 सितंबर 2026 के संदर्भ में जारी किया गया था।

मोहित कुमार पांचाल ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी या कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाना नहीं है। उनका प्रयास है कि सरकारी अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग हो, मरीजों को समय पर उपचार मिले और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता की स्थिति में नियमानुसार जवाबदेही तय की जाए।

1. रोगी कल्याण समिति की आय-व्यय का हिसाब सार्वजनिक हो - अस्पताल में मरीजों की पर्चियों से प्रतिदिन कितनी राशि प्राप्त होती है, पिछले तीन वर्षों में रोगी कल्याण समिति को कितनी राशि मिली, कितना खर्च हुआ और वर्तमान में कितनी राशि शेष है–इन सभी बिंदुओं की जांच कर विवरण सार्वजनिक करने की मांग की गई है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि समिति की राशि का उपयोग मरीजों की सुविधाओं में किस प्रकार किया गया।

2. लंबे समय से पदस्थ खंड चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना की समीक्षा हो-बदनावर में लंबे समय से पदस्थ संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना अवधि, लागू स्थानांतरण नीति तथा प्रशासनिक नियमों के अनुसार समीक्षा की मांग की गई है। यह भी स्पष्ट किया जाए कि संबंधित अधिकारी के स्थानांतरण या पदस्थापना की समीक्षा के संबंध में अब तक क्या निर्णय लिए गए हैं।

3. जांच मशीनों की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन हो- अस्पताल को उपलब्ध कराई गई जांच मशीनों एवं चिकित्सा उपकरणों में से कितने चालू हैं, कितने बंद हैं और कितने मरम्मत के अभाव में अनुपयोगी पड़े हैं, इसकी जांच की जाए। मशीनों की खरीद, स्थापना, मरम्मत एवं रखरखाव के अभिलेखों का भी सत्यापन हो, ताकि उपलब्ध संसाधनों का लाभ मरीजों को मिल सके।

4. दवाइयों, इंजेक्शन और दवा स्टोर के संचालन की जांच हो- अस्पताल में आवश्यक दवाइयों एवं इंजेक्शन की उपलब्धता, प्राप्त स्टॉक, वितरण और वर्तमान भंडार का सत्यापन किया जाए। दवा स्टोर का प्रभार संभालने वाले कर्मचारी की नियुक्ति, योग्यता एवं प्रभार आदेश की भी जांच हो। यदि किसी अनधिकृत व्यक्ति द्वारा दवा स्टोर संचालित किए जाने की शिकायत है, तो उसकी पुष्टि कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

5. डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित हो- अस्पताल में स्वीकृत पदों, कार्यरत कर्मचारियों और रिक्त पदों का विवरण सार्वजनिक किया जाए। डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की वास्तविक उपस्थिति, ड्यूटी रोस्टर तथा मरीजों को समय पर उपचार मिलने की स्थिति की समीक्षा हो। मरीजों या उनके परिजनों के साथ अनुचित व्यवहार और ड्यूटी में लापरवाही की शिकायतों की भी निष्पक्ष जांच की जाए।

6. अस्पताल की प्रयोगशाला और जांच सुविधाएं नियमित संचालित हों-अस्पताल में उपलब्ध प्रयोगशाला उपकरणों, जांच मशीनों और निर्धारित जांच सुविधाओं का भौतिक सत्यापन किया जाए। यह भी पता लगाया जाए कि उपलब्ध संसाधनों के बावजूद मरीजों को बाहर निजी प्रयोगशालाओं में जांच कराने की आवश्यकता क्यों पड़ती है। प्रयोगशाला कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आवश्यक सुधार किए जाएं।

7. लगभग ?8 करोड़ 65 लाख 79 हजार की लागत वाले नवीन भवन का पूर्ण संचालन हो- नवीन सिविल अस्पताल भवन के उद्घाटन के बाद उसकी वास्तविक संचालन स्थिति की समीक्षा की मांग की गई है। यह स्पष्ट किया जाए कि भवन का कितना हिस्सा पूर्ण रूप से संचालित है और 50 बिस्तरों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप बेड, चिकित्सा उपकरण, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। यदि सुविधाएं पूरी तरह संचालित नहीं हैं, तो इसके कारण और जिम्मेदारी निर्धारित की जाए।

8. खंड चिकित्सा अधिकारी की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन संबंधी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो- संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी के संबंध में ड्यूटी के दौरान कथित रूप से शराब के प्रभाव में आने, निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं रहने और अस्पताल की व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी नहीं करने जैसे आरोपों की जांच की मांग की गई है। इन आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उपस्थिति रजिस्टर, ड्यूटी रिकॉर्ड, निरीक्षण रिपोर्ट और संबंधित शिकायतों के आधार पर सत्यापन किया जाए। यदि कोई आरोप प्रमाणित होता है, तो नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाए।

9. रोगी कल्याण समिति एवं अस्पताल निगरानी व्यवस्था सक्रिय हो- अस्पताल में रोगी कल्याण समिति और अन्य अधिकृत निगरानी समितियों की वर्तमान स्थिति, सदस्यों, बैठकों, निरीक्षणों एवं निर्णयों का विवरण उपलब्ध कराया जाए। निगरानी व्यवस्था प्रभावी नहीं होने पर नियमानुसार उसे सक्रिय किया जाए, ताकि मरीजों की समस्याओं का समय पर निराकरण हो सके। मोहित कुमार पांचाल ने जनहित में अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी एवं सुधार के लिए नियमानुसार जिम्मेदारी दिए जाने का प्रस्ताव भी रखा है।

10. माताओं एवं बहनों के लिए पृथक इंजेक्शन कक्ष बनाया जाए- महिला मरीजों की गरिमा, निजता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में अलग, सुरक्षित और गोपनीय इंजेक्शन कक्ष की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। कक्ष में आवश्यक पर्दे, साफ-सफाई और उपलब्धता के अनुसार प्रशिक्षित महिला नर्सिंग स्टाफ की व्यवस्था की जाए, ताकि महिलाओं को सम्मानजनक वातावरण में उपचार मिल सके। यह व्यवस्था केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि मरीजों की निजता एवं गरिमा से जुड़ा महत्वपूर्ण पहलू है।

जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना ही प्राथमिकता-मोहित कुमार पांचाल ने कहा कि शासन द्वारा अस्पताल भवन, चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है, इसलिए यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन संसाधनों का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। यदि स्थानीय स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या अनुशासनहीनता सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, धार तथा स्वास्थ्य विभाग से मांग की कि सभी संबंधित अभिलेखों का सत्यापन कर जांच को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं और जनता को अस्पताल की व्यवस्थाओं में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाए।

उन्होंने कहा कि बदनावर विधानसभा क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जनहित का विषय है। इस पहल का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

मोहित कुमार पांचाल का संदेश-सरकारी अस्पताल जनता की सुविधा और उपचार के लिए हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बने भवन और उपलब्ध कराए गए संसाधनों का पूरा लाभ मरीजों तक पहुंचना चाहिए। जांच निष्पक्ष हो, कमियों को दूर किया जाए और जिम्मेदारी तय हो–ताकि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 202 बदनावर की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, सलसलाई से मदाना जोड़ तक जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर माता रानी के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। शुजालपुर नगर के दुर्गा मंदिर से सुबह 6 बजे प्रारंभ हुई भैंसवा माताजी की पैदल यात्रा का नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जो डीजे की धुन पर माता रानी के भजनों के साथ झूमते-गाते और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते नजर आए।

यात्रा दोपहर करीब 2 बजे सलसलाई पहुंची, जहां नगरवासियों ने अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद दोपहर करीब 2ः30 बजे पदयात्रा मदाना जोड़ पहुंची। यहां ग्राम मदाना के श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

पदयात्रा में संत ने भी मिलाए कदम- इस धार्मिक पदयात्रा में पंडित श्री श्री सागर जी शास्त्री भी श्रद्धालुओं के साथ पैदल चलते हुए माता रानी की जय-जयकार करते नजर आए। डीजे पर गूंजते भजनों और भक्तों के उत्साह ने यात्रा को आकर्षक बना दिया। जगह-जगह स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है यात्रा- यात्रा के संबंध में श्री रोहित सिसोदिया ने बताया कि भैंसवा माताजी की यह पदयात्रा पिछले वर्ष प्रारंभ की गई थी, जो अब अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस वर्ष यात्रा में करीब 250 से 300 श्रद्धालु पैदल शामिल हुए हैं। शुजालपुर से लगभग 65 किलोमीटर का सफर तय कर श्रद्धालु भैंसवा माताजी के दरबार पहुंचेंगे और माता रानी के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

माता रानी का होगा श्रृंगार, महाआरती के बाद भंडारा-भैंसवा माताजी के दरबार में पहुंचने के बाद माता रानी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसके पश्चात महाआरती, प्रसादी वितरण एवं भंडारे का आयोजन होगा। आयोजकों के अनुसार, इस धार्मिक आयोजन में शुजालपुर क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। नवरात्रि के पावन अवसर पर निकली इस पदयात्रा ने क्षेत्र में भक्ति, आस्था और धार्मिक उत्साह का अनूठा वातावरण निर्मित कर दिया।

बड़वानी का वार्ड क्रमांक 17 में कचरा स्थल बना आकर्षक मिनी गार्डन'

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद बड़वानी द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 में पूर्व में कचरा एकत्रित होने वाले स्थान का कायाकल्प कर उसे सुंदर 'मिनी गार्डन' के रूप में विकसित किया गया। इस पहल के तहत स्थल पर रंग-रोगन कर सौंदर्यीकरण किया गया तथा वार्डवासियों की सुविधा के लिए बैठक एवं लाइटिंग की व्यवस्था की गई।

75 वर्ष पुराने अन्नपूर्णा माता मंदिर में नवरात्रि की धूम, राम मंदिर चौक पर भव्य गरबा रास ने मोहा मन

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में शारदीय नवरात्रि पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नगर के विभिन्न माता मंदिरों में प्रतिदिन दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इसी क्रम में राम मंदिर चौक स्थित लगभग 75 वर्ष पुराने अन्नपूर्णा माता मंदिर में भी नवरात्रि के दौरान धार्मिक आयोजनों की विशेष धूम देखने को मिल रही है। प्राचीन मंदिर में विराजित माता अन्नपूर्णा के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। नवरात्रि के पावन दिनों में भक्तजन माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

राम मंदिर चौक पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम माता अन्नपूर्णा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आरती की गई। आरती में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर माता रानी की आराधना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और परिवारों की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। आरती के पश्चात माता अन्नपूर्णा का दिव्य दरबार सजाया गया, जहां श्रद्धालुओं ने दर्शन कर धर्मलाभ लिया।

नन्हीं बालिकाओं ने गरबा रास से बांधा समां- धार्मिक आयोजन के पश्चात नगर की छोटी-छोटी बालिकाओं द्वारा गरबा रास की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। पारंपरिक परिधान पहनकर बालिकाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ गरबा किया। भक्ति गीतों की मधुर धुन पर बालिकाओं के कदमों की ताल ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। गरबा रास के दौरान वातावरण माता रानी की भक्ति से सराबोर नजर आया।

नवरात्रि के दौरान गरबा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि माता रानी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की एक सुंदर परंपरा भी है। नगर की नन्हीं बालिकाओं ने गरबा रास में भाग लेकर इस धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया। श्रद्धालुओं ने भी बालिकाओं के उत्साह और भक्ति की सराहना की।

प्राचीन मंदिर से जुड़ी है श्रद्धालुओं की आस्था- राम मंदिर चौक स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर लगभग 75 वर्ष पुराना बताया जाता है। वर्षों से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक विश्वास का केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। भक्तजन माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हैं तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

नगर में अंबा माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में भी नवरात्रि के दौरान विशेष धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अंबा माता मंदिर में पुजारी दशरथ नायक सेवा दे रहे हैं, वहीं अन्नपूर्णा माता मंदिर में पप्पू अवस्थी पुजारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही जगदीश जी परमार का भी माताजी से जुड़े धार्मिक कार्यों में योगदान बताया गया है।

नवरात्रि पर्व के दौरान नगर में जगह-जगह गरबा रास, आरती और पूजा-अर्चना के आयोजन हो रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से नगरवासी अपनी धार्मिक परंपराओं से जुड़े रहने के साथ ही नई पीढ़ी को भी संस्कृति और संस्कारों से परिचित करा रहे हैं। राम मंदिर चौक पर अन्नपूर्णा माता के दरबार में आयोजित आरती और गरबा रास का कार्यक्रम इसी धार्मिक उत्साह और सामूहिक आस्था का सुंदर उदाहरण बना।

शहर की यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा, नवीन भवन में यातायात थाने का शुभारंभ

नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या भोज आयोजित कर कन्याओं को भेंट किए उपहार

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं सुचारू बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को पुरानी कृषि उपज मंडी स्थित पुराने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में नवीन भवन से यातायात थाने का संचालन प्रारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने विधिवत पूजन-अर्चन कर एवं फीता काटकर यातायात थाने का शुभारंभ किया।

नवीन भवन में यातायात थाने का संचालन प्रारंभ होने से यातायात संबंधी समस्याओं के निराकरण, शहर में यातायात व्यवस्था की निगरानी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या भोज एवं उपहार भेंट- वर्तमान में चल रहे नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर यातायात थाना शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान कन्या भोज का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा कन्याओं को भोज कराने के साथ उपहार भी भेंट किए गए। धार्मिक आस्था एवं परंपरा से जुड़े इस आयोजन ने कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष जोर- शुभारंभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने, यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने, अव्यवस्थित यातायात पर नियंत्रण रखने तथा नागरिकों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने यातायात प्रबंधन में सतर्कता, अनुशासन एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि शहरवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को भी आवागमन में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

यातायात संबंधी समस्याओं के निराकरण में मिलेगी सुविधा - नवीन भवन से यातायात थाने का संचालन होने से यातायात संबंधी शिकायतों एवं समस्याओं पर व्यवस्थित ढंग से कार्यवाही करने में सुविधा मिलेगी। यातायात पुलिस द्वारा नियमों के पालन, यातायात नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पर भी ध्यान दिया जाएगा।

यातायात थाने के माध्यम से नागरिकों को यातायात संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध रहेगा, जिससे पुलिस और आमजन के बीच समन्वय को भी बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

यातायात थाना शुभारंभ कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट, यातायात थाना प्रभारी सौरभ चौहान, थाना प्रभारी कोतवाली नागेश यादव, अजाक थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य शासन ने पैराक्वेट डाइक्लोराइड के उपयोग पर लगाया प्रतिबन्ध

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन ने पैराक्वेट डाइक्लोराइड नामक कीटनाशक के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कीटनाशक मानव और पशुओं के लिए बेहद हानिकारक है। भारत सरकार ने इस संबंध में पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है।

किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने इस खतरनाक कीटनाशक का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा विक्रय और भण्डारण पर तत्काल रोक लगाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिन निर्माताओं के पास पैराक्वेट डायक्लोराइड के पंजीकरण प्रमाण पत्र है उन्हें तत्काल केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड और पंजीकरण समिति को वापस करने के निर्देश दिए हैं।इस कीटनाशक के बचे स्टाक को वापस बुलाकर नियम, प्रक्रिया अनुसार नष्ट करने की कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत पैराक्वेट डाइक्लोराइड के नए रजिस्ट्रेशन और पहले से जारी सभी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट्स को रद्द कर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दुनिया के लगभग 70 देशों में इसका उपयोग पहले से प्रतिबंधित है।

कैसे काम करता है- यह पौधों के हरे हिस्सों के संपर्क में आते ही उन्हें तेजी से जलाकर नष्ट कर देता था। इसे ग्रामोक्सोन (Gramoxone) जैसे ट्रेड नाम से भी जाना जाता है। यह इंसानों और जानवरों के लिए अत्यधिक विषैला है। इसके शरीर में जाने या संपर्क में आने से फेफड़े और गुर्दे (किडनी) गंभीर रूप से खराब हो जाते हैं। इसका कोई विशिष्ट एंटीडोट (विषारोधी इलाज) उपलब्ध नहीं है। किसान मूंग की फसल में पैराक्वेट डाइक्लोराइड का उपयोग फसल की कटाई से ठीक पहले पत्तियों को सुखाने और फसल को जल्दी पकाने के लिए करते हैं। इसका छिड़काव करने से मूंग के हरे पौधे और पत्तियां 24 से 72 घंटों के भीतर पूरी तरह सूख जाती हैं। पत्तियां सूख जाने से फसल को काटना और थ्रेसिंग करना आसान हो जाता है, जिससे मजदूरों का खर्च और समय बचता है। भारत सरकार के नियमों के अनुसार इसका उपयोग मूंग की फसल पर करने की अनुमति नहीं थी।

कुंडला में करोड़ों की शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण, प्रशासन ने की कार्रवाई

सर्वे नंबर 518 और 519 की 2.85 हेक्टेयर जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील उन्हेल के ग्राम कुंडला में शासकीय भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। अनुविभागीय अधिकारी रंजना पाटीदार (एसडीएम) नागदा के निर्देशन में तहसीलदार एवं पटवारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कुंडला में स्थित शासकीय भूमि सर्वे नंबर 518 एवं 519 का कुल रकबा 2.85 हेक्टेयर है। इस भूमि की कीमत शासकीय गाइडलाइन के अनुसार लगभग 1 करोड़ 39 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। इतनी बड़ी कीमत की शासकीय संपत्ति पर अतिक्रमण की स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई।

बताया जा रहा है कि कुछ कब्जाधारियों द्वारा भूमि पर गुमटी व खम्बे बनान मशीन करने का कार्य किया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और संबंधित भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। तहसीलदार एवं पटवारी टीम की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे को रोकना और सरकारी संपत्ति को सुरक्षित रखना रहा।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं- शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से सार्वजनिक संपत्ति प्रभावित होती है। ऐसे में राजस्व विभाग की जिम्मेदारी है कि सरकारी जमीन का सीमांकन और रिकॉर्ड के अनुसार सत्यापन कराकर उसे अतिक्रमण से सुरक्षित रखा जाए। ग्राम कुंडला में की गई कार्रवाई को इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रशासन की इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश है कि शासकीय भूमि पर अनधिकृत कब्जे या निर्माण की स्थिति सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। अब संबंधित विभाग की जिम्मेदारी होगी कि मुक्त कराई गई भूमि की दोबारा निगरानी रखी जाए, ताकि भविष्य में फिर से अतिक्रमण की स्थिति निर्मित न हो।

जोड़ी गई कार्रवाई का कानूनी कार्रवही की जाएगी उन्हेल- तहसीलदार नागेश पवार द्वारा बताया गया कि अगर किसी ने वापिस से अतिक्रमण करा तो उस पर कार्यवाही की जाएगी और उसको जेल भेजा जाएगा एवं कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

न्यायालय तहसीलदार तहसील नागदा जिला उज्जैन म०प्र०

प्रकरण क्रमांक:-1096/अ-6/2026-27 नागदा, दिनांक :- 07/10/2026

//नोटिस सूचना पत्र का प्रकाशन//

दिलीप छिपानी पिता चांदमल छिपानी जाति जैन निवासी 7/1, सुभाष मार्ग थाना चौराहा के पास नागदा,तहसील नागदा जिला-उज्जैन

.....प्रार्थीया

मसरूर एहमद मन्सुरी पिता जुलजुलाले काफ मन्सुरी जाति मुसलमान निवासी राजीव कॉलोनी नागदा तहसील नागदा जिला-उज्जैन

.......प्रतिप्रार्थीया

इस सूचना पत्र जर्ये आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप छिपानी पिता चांदमल छिपानी जाति जैन निवासी 7/1, सुभाष मार्ग थाना चौराहा के पास नागदा,तहसील नागदा जिला-उज्जैन स्थित द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक/दस्तावेज क्रमांक MP43172021A11021983 दिनांक 06/12/2021 द्वारा ग्राम पाडल्याकलां तहसील नागदा स्थित रजिस्टर्ड विक्रय पत्र अनुसार सर्वे क्रमांक 1448/2/मिन-2/1/1, 1448/2/मिन-2/1/2, 1448/2/2/1/2, 1448/2/मिन-2/2 वर्तमान खसरा अनसुार सर्वे क्रमांक 1448/2/2/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.2698 हे. मे से 69.70 हे./वर्गमीटर पर वर्तमान भूमि स्वामी/विक्रेता मसरूर एहमद मन्सुरी पिता जुलजुलाले काफ मन्सुरी जाति मुसलमान निवासी राजीव कॉलोनी नागदा तहसील नागदा जिला-उज्जैन का नाम दर्ज है। विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । प्रकरण मे सुनवाई हेतु पेशी दिनांक 24/10/2026 नियत की गई है ।

अत: उक्त प्रश्नाधीन भूमि का नामांतरण किये जाने मे यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो नियत तिथि के पूर्व न्यायालयीन समय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा एवं प्रकरण मे आगामी कार्यवाही की जावेगी ।

तहसीलदार
तहसील नागदा जिला-उज्जैन

न्यायालय तहसीलदार तहसील नागदा जिला उज्जैन म०प्र०

प्रकरण क्रमांक:-1095/अ-6/2026-27 नागदा, दिनांक :- 07/10/2026

//नोटिस सूचना पत्र का प्रकाशन//

दिलीप छिपानी पिता चांदमल छिपानी जाति जैन निवासी 7/1, सुभाष मार्ग थाना चौराहा के पास नागदा,तहसील नागदा जिला-उज्जैन

.....प्रार्थीया

1-सय्यद विरासत अली पिता सय्यद काजिम अली जाति मुसलमान निवासी छोटी खंदार नलियाबाखल उज्जैन 2-शाहदाब हुसैन पिता मोहममद हुसैन जाति मुसलमान निवासी चंबल सागर कॉलोनी नागदा , तहसील नागदा जिला-उज्जैन

.......प्रतिप्रार्थीया

इस सूचना पत्र जर्ये आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप छिपानी पिता चांदमल छिपानी जाति जैन निवासी 7/1, सुभाष मार्ग थाना चौराहा के पास नागदा,तहसील नागदा जिला-उज्जैन स्थित द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक/दस्तावेज क्रमांक MP43172021A1583984 दिनांक 15/07/2021 द्वारा ग्राम पाडल्याकलां तहसील नागदा स्थित रजिस्टर्ड विक्रय पत्र अनुसार सर्वे क्रमांक 1448/2/मिन-2/1/1, 1448/2/मिन-2/1/2, 1448/2/2/1/2, 1448/2/मिन-2/2 वर्तमान खसरा अनसुार सर्वे क्रमांक 1448/2/2/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.0070 हे. मे विक्रेता का हिस्सा भाग 298/3347 मे से 69.70 हे./वर्गमीटर पर वर्तमान भूमि स्वामी/विक्रेता 1-सय्यद विरासत अली पिता सय्यद काजिम अली जाति मुसलमान निवासी छोटी खंदार नलियाबाखल उज्जैन 2-शाहदाब हुसैन पिता मोहममद हुसैन जाति मुसलमान निवासी चंबल सागर कॉलोनी नागदा का नाम दर्ज है। विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । प्रकरण मे सुनवाई हेतु पेशी दिनांक 21/10/2026 नियत की गई है ।

अत: उक्त प्रश्नाधीन भूमि का नामांतरण किये जाने मे यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो नियत तिथि के पूर्व न्यायालयीन समय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा एवं प्रकरण मे आगामी कार्यवाही की जावेगी ।

पेशी दिनांक:- 21/10/2026

तहसीलदार
तहसील नागदा जिला-उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

चौसठ योगिनी मंदिर जहां नवरात्रि में होती है तंत्र साधना

सम्राट विक्रमादित्य के काल से चली आ रही परंपरा- दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालु

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के पुराने हिस्से नयापुरा में स्थित चौसठ योगिनी देवी का मंदिर अपनी प्राचीन मान्यताओं और तंत्र साधना से जुड़े इतिहास के कारण खास पहचान रखता है। मान्यता है कि सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल से यहां देवी का स्थान विद्यमान है। कभी तंत्र साधना के प्रमुख केंद्र के रूप में चर्चित रहे इस मंदिर में नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है। देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भक्त यहां पहुंच रहे हैं।

एक दौर में तांत्रिक साधकों का लगता था जमावड़ा- चौसठ योगिनी मंदिर को प्राचीन काल से ही तंत्र साधना और अनुष्ठानों से जोड़कर देखा जाता रहा है। मान्यता है कि एक समय यह मंदिर तंत्र विद्या के अध्ययन और साधना का प्रमुख केंद्र था। इसी कारण इसे तांत्रिक विश्वविद्यालय तक कहा जाता था। उस दौर में तांत्रिक सिद्धियां प्राप्त करने के उद्देश्य से साधक यहां अनुष्ठान करने आते थे। हालांकि, मंदिर से जुड़ी इन बातों को स्थानीय मान्यताओं और प्रचलित कथाओं के रूप में देखा जाता है।

विक्रमादित्य के समय से जुड़ा है मंदिर- नयापुरा स्थित इस मंदिर की पहचान राजा विक्रमादित्य के काल से जुड़ी मान्यता के कारण भी है। कहा जाता है कि प्राचीन उज्जैन में देवी उपासना और तंत्र साधना का विशेष महत्व था। चौसठ योगिनी मंदिर इसी परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। मंदिर में देवी की प्रतिमाएं विराजित है। मंदिर की प्राचीनता और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताएं श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं।

नवरात्रि में बढ़ जाती है रौनक- वैसे तो मंदिर में सालभर श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन शारदीय नवरात्रि के दौरान यहां विशेष रौनक रहती है। भक्त देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हैं और मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना देवी स्वीकार करती हैं। नवरात्रि में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना हुआ है।

प्रदेश में चौसठ योगिनी के तीन प्रमुख मंदिर-मध्यप्रदेश में चौसठ योगिनी के तीन प्रमुख मंदिरों का उल्लेख किया जाता है। इनमें जबलपुर के भेड़ाघाट में नर्मदा नदी के किनारे पहाड़ी पर स्थित किलेनुमा मंदिर और चंबल संभाग का चौसठ योगिनी मंदिर प्रमुख हैं। उज्जैन का नयापुरा स्थित मंदिर भी इसी परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल माना जाता है।

पत्नी, प्रेमी और साथी ने मिलकर की थी हत्या, 3 को उम्रकैद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्नी और उसके प्रेमी ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। मामले में उज्जैन के पंचम अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार शर्मा की अदालत ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में मृतक के 10 वर्षीय बेटे की गवाही अहम साबित हुई। न्यायालय ने आरोपियों को हत्या सहित अन्य धाराओं में दोषी ठहराते हुए कुल 31 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया के अनुसार, मामला भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम झिरनिया का है। 24 दिसंबर 2022 को गंगाराम बंजारा ने अपने बेटे जितेंद्र बंजारा का शव मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। मर्ग जांच में सामने आया कि जितेंद्र की पत्नी पूजा के राकेश कुशवाह से अवैध संबंध थे।

घटना के समय जितेंद्र ने घर में पूजा और राकेश को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। विरोध करने पर विवाद हुआ। इसके बाद राकेश ने जितेंद्र की गर्दन मरोड़ दी, जबकि ईश्वर सिंह बंजारा ने उसके साथ मारपीट की। वहीं, पूजा ने घर में रखी हथौड़ी से जितेंद्र के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। तीनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव घर के पास एक गड्ढे में फेंक दिया।

बेटे की गवाही ने खोला हत्या का राज- घटना के समय मृतक का बेटा महज आठ वर्ष का था। विचारण के दौरान 10 वर्षीय बालक ने अदालत में अपने सामने हुई घटना का विस्तार से बयान दिया। न्यायालय ने उसकी गवाही को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। पुलिस ने विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त हथौड़ा सहित अन्य साक्ष्य जुटाकर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

तीनों आरोपियों को अलग-अलग धाराओं में सजा- न्यायालय ने राकेश पिता भैरूसिंह कुशवाह (28), ईश्वर सिंह पिता गोवर्धन सिंह बंजारा (26) और पूजा पति जितेंद्र बंजारा (26), निवासी ग्राम झिरनिया, थाना भैरवगढ़ को भारतीय दंड संहिता की धारा 302/34 में आजीवन कारावास, धारा 458 में पांच वर्ष तथा धारा 201 में तीन वर्ष के कारावास से दंडित किया। तीनों पर कुल 31 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

बच्चों को मिलेगा प्रतिकर- न्यायालय ने मृतक के नाबालिग बेटे और बेटी के पुनर्वास के लिए पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत आर्थिक सहायता दिलाने के आदेश भी दिए हैं। मामले में अभियोजन की ओर से भारत सिंह कनेल एवं विशेष लोक अभियोजक नितेश कृष्णन ने पैरवी की।

सिंहस्थ एरिया में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कार्य के लिए टेंडर लगाने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ क्षेत्र के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के प्लान को शीघ्र फाइनल करके नवंबर माह में इसके टेंडर जारी कर दिए जाएं। इसी तरह उन्होंने मेला और घाट क्षेत्र में अस्थायी लाइटिंग के लिए भी टेंडर दिसंबर तक फ्लोट करने के लिए कहा है। संभागायुक्त ने उज्जैन शहर के जिन चौराहों का सौंदर्यीकरण होना है, उनकी योजना भी अंतिम रूप से प्रस्तुत करने को कहा है। संभागायुक्त ने आज सिंहस्थ 2028 के लिए नगरीय क्षेत्र में नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की एवं दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ के दौरान वॉटर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट की चर्चा की तथा निर्देश दिए कि रामघाट के आगे डाउनस्ट्रीम में भी वॉटर क्वालिटी अच्छी बनी रहे, इसके लिए कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में नगर निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण की प्रगति की समीक्षा भी की गई तथा निर्देश दिए गए कि जो सड़कें दिसंबर माह तक पूर्ण होनी हैं, उनके समस्त कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए। यह न हो कि इन सड़कों में कुछ-कुछ कार्य अधूरा छूट जाए। दिसंबर माह के अंत तक जिन सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है, उनमें कोयला फाटक से छत्री चौक, डॉ. हरिराम चौबे मार्ग से हनुमान नाका, सिंधी कॉलोनी से नीलगंगा, डी-मार्ट के सामने सर्विस लेन, नीलगंगा से हरिफाटक तथा उदयन मार्ग से सांदीपनि चौराहा शामिल हैं।

17.88 करोड़ की लागत से बना फोरलेन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के लिए हजारों करोड़ रुपए के कार्य उज्जैन में चल रहे हैं। कार्य प्रगति पर हैं। सड़कों का चौड़ीकरण, पुलों का निर्माण, घाटों का निर्माण, रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण और एलिवेटेड कॉरिडोर आदि मिलाकर उज्जैन की नई तस्वीर गढ़ने में लगे हैं। जब यह कार्य पूर्ण हो जाएंगे, तब धार्मिक नगरी का लुक किसी महानगर से कम नहीं होगा। सिंहस्थ कार्य में सबसे पहले शहरवासियों को 17.88 करोड़ रुपए की लागत से कोठी पैलेस प्रशासनिक संकुल से देवास रोड और विक्रम नगर को जोड़ने वाले फोरलेन की सौगात मिल चुकी है।

कभी संकरी बमुश्किल टू-लेन सड़क की जगह डिवाइडर युक्त फोरलेन सड़क ने ले ली है। सड़क के बीच में डिवाइडर पर प्लांटेशन किया गया है। दोनों ओर लकदक हरियाली फैली है। साथ ही आकर्षक लाइट अलग ही छटा बिखेरती है। कभी उपेक्षित-सी यह सड़क अब शहरवासियों के लिए आकर्षण का विषय बन गई है।

सुबह-शाम होते ही सड़क पर घूमने वालों का जमावड़ा होने लगता है, जो देर रात तक चलता है। युवा देर रात तक निडरता से सड़क पर घूमते नजर आते हैं। लोग परिवार सहित यहाँ सड़क के दोनों ओर लगी बेंचों पर बैठकर फुर्सत से बतियाते हैं और आसपास के पेड़-पौधों पर बैठने वाले पक्षियों का कलरव सुनते हैं। यही नहीं, कोठी संकुल से विक्रम नगर की ओर जाने वाले मार्ग की एक लाइन पर तो शाम को बच्चे स्केटिंग की प्रैक्टिस करते दिख जाते हैं। कुल मिलाकर सुकून और शांति की जगह बना यह रोड सिंहस्थ के कार्यों से उज्जैन शहर में होने वाले बदलाव का एक शुभ संकेत देते हुए नजर आता है। इस सड़क का निर्माण नगर निगम द्वारा किया गया है।

सुकून भरा बड़ा वॉकिंग ज़ोन-कोठी रोड स्थित संकुल से देवास रोड और विक्रम नगर की तरफ फोरलेन बन जाने व रोड के किनारे हरियाली विकसित करने, बेंच लगाने और आकर्षक लाइटिंग हो जाने से सुबह-शाम वॉक करने वाले अत्यधिक प्रसन्न हैं। यहाँ की हरियाली और सुंदरता लोगों का मन मोह लेती है।

पार्श्वनाथ सिटी के रहवासी श्री वात्सल्य सिसोदिया कहते हैं कि न केवल आसपास के, बल्कि शहर के अंदर रहने वाले लोगों को यह क्षेत्र आकर्षित कर रहा है। एक तरफ बुजुर्ग बेंचों पर बैठे नजर आते हैं, तो युवाओं के लिए यह सेल्फी पॉइंट बन गया है।

शहर की सड़कों पर 600 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से अपराधियों पर नजर रख रही पुलिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले सिंहस्थ में शहर की सडक़ों पर सुरक्षा और निगरानी करने के लिए 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। यह संख्या अब बढक़र 600 से अधिक हो गई है। रेलवे स्टेशन पर भी 100 से ज्यादा कैमरे लग चुके हैं। इसका फायदा आम नागरिकों के अलावा पुलिस को भी मिल रहा है। अपराध की लगभग 80 प्रतिशत घटनाएं कैमरे में कैद हो रही हैं और ये पुलिस के लिए मुखबिर की तरह मददगार साबित हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2016 के बाद से उज्जैन पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों और शहर में आने-जाने वाले रास्तों पर अपराधियों पर नजर रखने के लिए 600 से अधिक कैमरे लगाए हैं। वहीं सराफा, फ्रीगंज, लखेरवाड़ी और अन्य व्यापारिक क्षेत्रों में पुलिस ने व्यापारियों की मदद से कैमरों का जाल बिछाया है। लोगों को भी कैमरे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसका असर भी हुआ और अपराधों को सुलझाने में पुलिस को मदद भी मिल रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर में 600 से अधिक कैमरे विभिन्न स्थानों पर लगे हुए है। इधर पुलिस विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यही कैमरे अब पुलिस को हर घटना में काम आ रहे हैं या यूं कहें कि इससे ही पुलिस अपराध सुलझा रही है। लगभग अब हर घटना में पुलिस को फुटेज से मदद मिल रही है। वहीं स्मार्ट सिटी के तहत शहर के प्रमुख चौराहों पर कैमरे लगे हुए है। यहां तक कि नक्शा पास करवाने के लिए भी नियम बनाया जा रहा है, जिसमें कॉलोनाइजर या फिर मल्टीस्टोरी बनाने वालों को कैमरे लगाना अनिवार्य किया जा रहा है।

रेलवे स्टेशन परिसर भी सीसीटीवी की निगरानी में - शहर के विभिन्न मार्गों और प्रमुख 16 चौराहों के अलावा उज्जैन रेलवे स्टेशन पर भी सिंहस्थ 2016 में 72 नए सीसीटीवी कैमरे स्टेशन परिसर तथा सभी 8 प्लेटफार्म पर लगाए गए थे। आरपीएफ के अधिकारियों के अनुसार बाद में कैमरों की संख्या और बढ़ाई गई और अब यह लगभग 100 तक पहुंच गई है। जीआरपी तथा आपीएफ थाना पुलिस भी स्टेशन परिसर तथा ट्रेनों में होने वाले अपराध और चोरियों के मामलों में आरोपियों तक पहुंचने के लिए इन्हीं कैमरों की मदद ले रही है। यहां लगे सीसीटीवी कैमरों के द्वारा रेलवे पुलिस हर साल 70 से 80 प्रतिशत तक मामले हल करने में कामयाब हो रही है। जो घटनाएं इन कैमरों में कैद नहीं हो पाती उन घटनाओं के ज्यादातर मामले लंबित रहते हैं।

चिंतामन गणेश मंदिर का गेट बंद होने से भड़के व्यापारी

सड़क पर लगाया जाम- स्थायी रूप से रास्ता बंद होने की आशंका में किया विरोध, एक घंटे तक चला हंगामा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिंतामन गणेश मंदिर के मुख्य द्वार को बंद करने पर बुधवार सुबह फूल-प्रसादी के व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों को आशंका हुई कि मंदिर का मुख्य गेट स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। देखते ही देखते व्यापारी सड़क पर उतर आए और जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक विरोध और हंगामे के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। व्यापारियों से चर्चा के बाद मुख्य द्वार खोल दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मंदिर के सामने सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा है। इसके लिए की जा रही खुदाई के कारण यहां बड़ा गड्ढा हो गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए मंदिर का मुख्य द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। श्रद्धालुओं को पीछे के गेट से प्रवेश दिया जा रहा था।

लेकिन मुख्य द्वार बंद होने से मंदिर के आसपास फूल-प्रसादी की दुकानें लगाने वाले व्यापारियों में नाराजगी फैल गई। उन्हें लगा कि अब मुख्य रास्ता स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। इससे उनके कारोबार पर असर पड़ने की आशंका थी। इसी बात को लेकर व्यापारी एकत्र हो गए और विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला सड़क पर जाम लगाने तक पहुंच गया।

देर तक चला विरोध, मौके पर पहुंचे अधिकारी- व्यापारियों के विरोध और सड़क पर जाम की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। व्यापारियों ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि निर्माण कार्य के दौरान वे सहयोग करने और वाहनों की व्यवस्था संभालने के लिए तैयार हैं, लेकिन मुख्य द्वार बंद नहीं किया जाना चाहिए।

मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि मुख्य द्वार बंद करने का निर्णय स्थायी नहीं था। खुदाई के कारण श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे आधे से एक घंटे के लिए बंद किया गया था। व्यापारियों ने इसे स्थायी निर्णय समझ लिया, जिससे विरोध की स्थिति बनी।

समझाइश के बाद खुला गेट, सामान्य हुई व्यवस्था- अधिकारियों की मौजूदगी में व्यापारियों से चर्चा हुई। इसके बाद मंदिर का मुख्य द्वार खोल दिया गया और स्थिति सामान्य हो गई। हालांकि, इस घटनाक्रम ने निर्माण कार्य के दौरान मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही और आसपास के व्यापारियों की चिंता को सामने ला दिया। निर्माण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ व्यापारियों और श्रद्धालुओं को समय रहते स्पष्ट जानकारी देना भी जरूरी है, ताकि गलतफहमी के कारण ऐसी स्थिति न बने।

शिप्रा नदी में डूबे युवक की हुई शिनाख्त, बड़वानी से आए परिजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा नदी से मंगलवार शाम को एक युवक की पानी में डूबी हुई लाश पुलिस ने बरामद की। जिसकी पहचान बड़वानी के रहने वाले युवक के रूप में हुई परिजन उज्जैन पहुंचे। मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि कल शाम 4 शिप्रा नदी केदारेश्वर घाट से एक युवक की लाश बरामद की गई थी। मृतक अंडरवियर पहना हुआ था जिसके चलते उसकी नहाने के दौरान डूबने से मौत होना सामने आया। घाट पर उसके कपड़े तलाश किए गए लेकिन नहीं मिले। मृतक की पहचान के लिए सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट किया गया। इस दौरान उज्जैन में रहने वाले रिश्तेदार प्रेम सिंह ने उसे पहचान लिया। रिश्तेदार ने पुलिस से संपर्क कर बताया कि मृतक बड़वानी के नागलवाड़ी का रहने वाला अशोक पिता टेटिया परमार जाति भील है। पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया इस दौरान सामने आया कि वह देवास में रहने वाली बहन के घर गया था संभवत महाकाल दर्शन करने उज्जैन पहुंच होगा। पुलिस ने घटना से परिजनों को अवगत कराया। उज्जैन पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया है।

गुर्जर गैंग ने मोहननगर में स्कॉर्पियो के फोड़े कांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुर्जर गैंग के बदमाशों ने मोहननगर में खड़ी स्कॉर्पियो के कांच फोड़ दिए और दहशत फैलाई। पुलिस ने मामले में चार बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। सिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि मोहन नगर में रहने वाले मदनलाल पिता हरदास हेयर सैलून की दुकान संचालित करता है उसने अपनी स्कॉर्पियो घर के बाहर खड़ी की थी। ढांचा भवन में रहने वाला गुर्जर गैंग का बदमाश अनमोल अपने तीन साथियों के साथ पहुंचा और मदनलाल पर अवैध वसूली का दबाव बनाकर डराने धमकाने लगा उसने दहशत फैलाने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर मदनलाल की स्कॉर्पियो के कांच फोड़ दिए। पुलिस के अनुसार अनमोल और उसके तीन साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई है। अनमोल गुर्जर देवास गेट थाना क्षेत्र में कुछ महीनों पहले हुई चाकू बाजी की घटना का आरोपी है जो लंबे समय से फरार चल रहा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी कई अवैध वसूली चाकू बाजी डराने धमकाने जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। गुर्जर गैंग से जुड़े कुछ बदमाशों को पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार किया था जो जेल की सलाखों के पीछे हैं। सालों पहले गैंग का आतंक था पुलिस ने कई बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गोली मारी थी। उसे दौरान अनमोल गुर्जर नाबालिग था और पुलिस से बचने के लिए एक मकान से कुदकर भागने के प्रयास में घायल हुआ था। गुर्जर गैंग की करतूतें एक बार फिर सामने आने लगी है।

MIDH योजना के अंतर्गत कोल्ड स्टोरेज तथा निजी नर्सरी की स्थापना हेतु किसान भाइयों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन MIDH योजना अंतर्गत कोल्ड स्टोरेज तथा निजी नर्सरी की स्थापना हेतु पात्र किसान भाइयों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपसंचालक उद्यानिकी ने बताया कि आवेदन के साथ विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन,बैंक अप्रैजल रिपोर्ट, बैंक क्रेडिट स्वीकृति पत्र, इकाई स्थापना स्थल के भूमि संबंधी दस्तावेज तथा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक घोषणा पत्र संलग्न करना अनिवार्य है साथ ही कोल्ड स्टोरेज से संबंधित प्रकरणों में भवन निर्माण अनुज्ञा एवं निर्धारित तकनीकी दस्तावेज भी आवश्यक है।

सीनियर सिटीजन कार्ड बनाने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवानिवृत्त प्रिसिंपल को झांसा देकर साइबर ठगों ने खाते से 10 लाख रूपये निकाल लिये। बैंक से जानकारी मिलने के बाद प्रिसिंपल ने मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई और मंगलवार को माधवनगर थाने पहुंचकर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया। सेठीनगर के पास निर्माण नगर में रहने वाले सनत कुमार पिता डीबी जैन (80) आईटीआई कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रिसिंपल है। 11 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर कॉल आया और बताया कि आपको सीनियर सिटीजन एटीएम कार्ड बनवाना है। उन्होने कार्ड बनाने की हामी भर दी। कुछ देर बाद उनके वाट्सएप पर कॉल आया और बैंक डिटेल के साथ जन्म दिनांक और एटीएम कार्ड की डिटेल मांगी गई। सनत कुमार ने पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी। कुछ देर बाद उन्होने सीनियर सिटीजन एटीएम कार्ड के बारे में पड़ोसी को बताया तो उसने ऐसे किसी कार्ड की जानकारी नहीं होने के साथ साइबर ठगों का कॉल होने की बात कहीं। सनत कुमार बैंक पहुंचे और खाते की डिटेल चैक की। उनके खाते से 10 लाख का ट्रांजेक्शन हो चुका था। उन्होने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। जहां से मामला माधवनगर थाने पहुंचा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस इस बात का पता बैंक के माध्यम से लगा रही है कि 10 लाख का ट्रांजेक्शन किस खाते में हुआ है।

मार्ग चौड़ीकरण, ब्रिज और अंडरपास निर्माण कार्यों में तेजी लाएं- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। बुधवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम द्वारा प्रस्तावित रविशंकर नगर-भगत सिंह मार्ग चौड़ीकरण कार्य, गदापुलिया चौराहा पर प्रस्तावित अंडरपास तथा हरिफाटक ब्रिज की तीसरी भूजा के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण कार्यों की गति बढ़ाएं, ताकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार सिंहस्थ-2028 से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जा सकें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा विभागीय समस्या आने पर तत्काल संबंधित विभागों से समन्वय कर उसका समाधान सुनिश्चित करें, जिससे कार्य की गति प्रभावित न हो।

बस स्टैंड नानाखेड़ा पहुंचा, लेकिन आगर रोड से चला रहे बसें

खड़ी बसों को पुलिस ने हटाया तो संचालकों ने उठाई स्थायी स्टैंड की मांग, बोले- यात्रियों का एक घंटा बर्बाद, डीजल खर्च भी बढ़ा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास गेट बस स्टैंड को नानाखेड़ा शिफ्ट करने के बाद दूसरे शहरों और कस्बों की बसों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। महिदपुर, बड़नगर, रतलाम, नागदा, आगर और तराना रूट की बसों के संचालक अब आगर रोड पर स्थायी ठिकाना तलाश रहे हैं। बुधवार को राजीव नगर के पास खाली जगह पर बसें खड़ी कर संचालन शुरू किया, लेकिन जगह के मालिक की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया।

मौके पर पहुंचे आरटीओ अधिकारियों ने बस संचालकों से चर्चा की। संचालकों का कहना है कि नानाखेड़ा से बसें चलाने पर यात्रियों का करीब एक घंटा अतिरिक्त लग रहा है और डीजल खर्च भी बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि 12 अक्टूबर से देवास गेट बस स्टैंड से बसों का संचालन बंद कर उन्हें नानाखेड़ा भेजने के बाद दूसरे रूट के संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। देवास और इंदौर की ओर जाने वाली बसों के लिए नानाखेड़ा सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन महिदपुर, बड़नगर, रतलाम, नागदा, आगर और तराना जाने वाली बसों को वहां तक पहुंचने के बाद अपने निर्धारित मार्ग पर लौटना पड़ता है। इससे समय और ईंधन दोनों की खपत बढ़ रही है।

बस मालिक आजाद यादव के अनुसार, इस व्यवस्था से यात्रियों को करीब एक घंटा अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। बस संचालकों का खर्च भी बढ़ गया है। उनका कहना है कि संबंधित रूट की बसों के लिए आगर रोड पर ही स्थायी स्टैंड बनाया जाए, ताकि यात्रियों को अनावश्यक चक्कर न लगाना पड़े।

बसें लगाईं तो मालिक ने की शिकायत- बुधवार को बस संचालकों ने आगर रोड पर राजीव नगर के पास खाली जगह पर बसें खड़ी कर संचालन शुरू कर दिया। लेकिन यह व्यवस्था ज्यादा देर नहीं चल सकी। जगह के मालिक ने बसें खड़ी करने पर आपत्ति जताई और पुलिस को शिकायत कर दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और संचालकों को वहां से हटने के लिए कहा। मामले की जानकारी मिलने पर आरटीओ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस संचालकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। हालांकि, आगर रोड पर स्थायी बस स्टैंड बनाने को लेकर फिलहाल कोई निर्णय सामने नहीं आया है।

आगर रोड पर स्थायी स्टैंड बनाने की मांग- बस संचालकों का कहना है कि सभी रूट की बसों को एक ही स्टैंड से संचालित करने की व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है। महिदपुर, बड़नगर, रतलाम, नागदा, आगर और तराना जाने वाली बसों के लिए आगर रोड पर उपयुक्त स्थान तय किया जाना चाहिए। इससे यात्रियों का समय बचेगा और बस संचालकों को भी अतिरिक्त ईंधन खर्च से राहत मिलेगी। अब सवाल यह है कि देवास गेट से बस स्टैंड हटाने के बाद दूसरे रूट के बस संचालकों के लिए प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था कब करेगा। फिलहाल संचालकों के सामने बसें खड़ी करने के लिए स्थायी जगह का संकट बना हुआ है।

रावण दहन पर कानूनी नोटिस... शास्त्रों का प्रमाण मांगा

उज्जैन। दशहरे पर होने वाले रावण दहन को लेकर उज्जैन में विवाद खड़ा हो गया है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने रावण दहन आयोजित करने वाली चार समितियों को वकील के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजकर सात दिन में जवाब मांगा है। समाज ने आयोजकों से पूछा है कि आश्विन शुक्ल दशमी को रावण वध और रावण दहन का उल्लेख किस धर्मशास्त्र या पुराण में मिलता है। उपरोक्त मामले में निर्धारित समय में जवाब नहीं देने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। दूसरी ओर, समाज ने शहर में रावण दहन के विरोध में पोस्टर लगाकर अपनी आपत्ति सार्वजनिक की है।महाकाल मंदिर के पुजारी और अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के संस्थापक अध्यक्ष महेश पुजारी ने अधिवक्ता अश्विन चौधरी के माध्यम से चार आयोजक समितियों को नोटिस भिजवाए हैं। इनमें लाला ओम अमरनाथ खत्री दशहरा उत्सव समिति, कार्तिक मेला दशहरा उत्सव समिति, सिद्धवट दशहरा समिति और शास्त्री नगर दशहरा उत्सव समिति शामिल हैं। 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर प्रस्तावित रावण दहन से पहले भेजे गए इन नोटिसों से आयोजन को लेकर बहस तेज हो गई है।

सात दिन में देना होगा जवाब- समाज ने आयोजक समितियों से कहा है कि वे रावण दहन के समर्थन में धर्मशास्त्र और पुराणों का प्रमाण प्रस्तुत करें। नोटिस में आगामी आश्विन शुक्ल दशमी को रावण दहन नहीं करने की मांग भी की गई है। समाज का कहना है कि यदि समितियां इस तिथि पर रावण दहन करती हैं, तो उन्हें शास्त्रीय आधार स्पष्ट करना होगा। नोटिस में सात दिन के भीतर जवाब नहीं मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। साथ ही, कार्रवाई से संबंधित हर्जे और खर्च की जिम्मेदारी आयोजक समितियों पर डालने की बात कही गई है।

रावण दहन की आड़ में न हो ब्राह्मणों का अपमान- महेश पुजारी ने कहा कि रावण दहन के नाम पर ब्राह्मण समाज का अपमान किया जा रहा है, जिसे बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोजक समितियों से सवाल किया कि वे करोड़ों सनातनियों को बताएं कि किस शास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है। उनका कहना है कि रावण के पुतले जलाने की परंपरा के माध्यम से ब्राह्मणों का अपमान नहीं होना चाहिए। उन्होंने देश की विभिन्न संस्थाओं से भी रावण दहन बंद करने का अनुरोध किया है। एक और दशहरे के लिए शहर में रावण के पुतले बनाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रावण दहन को लेकर समाज की आपत्ति अब कानूनी नोटिस तक पहुंच गई है। दशहरे से पहले उठे इस विवाद में अब आयोजक समितियों के जवाब और उनके अगले कदम पर नजर रहेगी।